दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

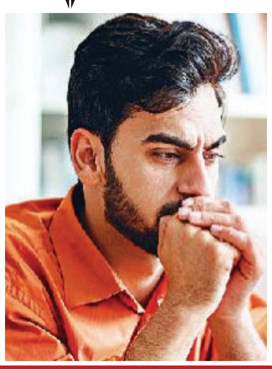

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से विवश दुनिया भर के पुरुष

जनरेशन अल्फा मन जीवन को .....

वर्ष : 11 | अंक : 326 | लखनऊ, 17 नवम्बर, सोमवार 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

पीएम मोदी ने किया सूरत स्टेशन का निरीक्षण

बुलेट ट्रेन कर्मचारी का कहना था कि.. न नाम चाहिए न इनाम चाहिए, बस देश आगे बढ़े, ये अरमान चाहिए

गुजरात में जल्द ही शुरू होगा बुलेट ट्रेन का ट्रायल

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

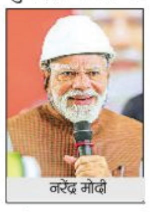

नरेंद्र मोदी

गुजरात में देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा की। वे सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पर पहुंचे, जहां उन्होंने काम में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत भी की। वहीं, रविवार को इससे संबंधित एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें पीएम मोदी सूरत स्टेशन पर काम की बारीकी से जांच ▸▸शेष पेज 5 पर

पीएम ने इंजीनियरों और कर्मचारियों से की बातचीत

पीएम मोदी कर्मचारियों से बातचीत करते हुए

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा की

पीएम मोदी ने कर्मचारियों को सराहा

प्रधानमंत्री मोदी ने कर्मचारियों की मेहनत की सराहना की और कहा कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ गुजरात बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि हाई-स्पीड ट्रेन परियोजना देश के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को आधुनिक बनाने में एक अहम कदम है और इससे यात्रियों को तेज और ▸▸शेष पेज 5 पर

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

खबर संक्षेप

सतीश बने नौसेना के मुख्य स्टाफ अधिकारी

नई दिल्ली। रियर एडमिरल सतीश वासुदेव ने शनिवार को पश्चिमी नौसेना कमान के मुख्य स्टाफ अधिकारी (संचालन) का पदभार संभाला। वे नौसेना के अनुभवी अधिकारी हैं और नौवहन व दिशा के विशेषज्ञ माने जाते हैं। एडमिरल को 1 जुलाई 1993 को नौसेना में कमीशन मिला था। वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला, डीएसएससी वेलिंगटन और नौसेना युद्ध महाविद्यालय, गोवा के पूर्व छात्र हैं। अपने करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण जहाजों और तटीय पदों पर काम किया है। वे आईएनएस गोमती और आईएनएस तरकश जैसे युद्धपोतों की कमान संभाल चुके हैं। डीएसएससी में उन्होंने निर्देशन स्टाफ का काम किया। नौसेना मुख्यालय में कमोडोर और पूर्वी नौसेना कमान में कमोडोर (संचालन) के रूप में सेवाएं दीं।

हॉलीवुड सिंगर एकन की स्टेज पर खींची पैंट

नई दिल्ली। हॉलीवुड सिंगर एकन इस वक्त अपने इंडिया टूर को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। 14 नवंबर 2025 को एकन का बैंगलोर में कॉन्सर्ट था।

बिहार में सरकार बनाने की हलचल तेज

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बाद अब समय नई सरकार के गठन का है। इसके लिए पहले एनडीए के घटक दल अपनी बैठक करेंगे। जदयू की बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को नेता चुन लिया जाएगा। इसके बाद बिहार भाजपा, चिराग पासवान की लोजपा रामविलास, जीतनराम मांझी की हम और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक अपना नेता चुन लेंगे।

माना जा रहा है कि सोमवार की शाम इन बैठकों के बाद एनडीए के विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें सीएम नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से नेता चुना जा सकता है। इसके बाद शपथ ग्रहण की तारीख और मंत्रियों के नाम भी तय किए जाएंगे। माना जा रहा है कि 20 से 22 नवंबर के बीच शपथ ग्रहण का दिन रखा जा सकता है। इस बार नीतीश पटना के गांधी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे जो उनकी 10वीं शपथ होगी।

20 से 22 तारीख तक.. बिहार को मिल सकती है नई सरकार

▸▸आज एनडीए के विधायक दल की बैठक

▸▸चुना जा सकता है विधायक दल का नेता

नीतीश से मिले नित्यानंद

शपथ ग्रहण में आएंगे करीब 5 हजार वीवीआईपी

पटना के गांधी मैदान में लगभग 5000 वीवीआईपी अतिथियों के बैठने के लिए एक विशेष खंड तैयार किया जा रहा है। इसमें सुरक्षा और सुविधाओं का खास ध्यान रखा जाएगा। नीतीश कुमार के इस शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नड्डा समेत सभी भाजपा और एनडीए शासित मुख्यमंत्री के साथ-साथ विपक्ष के कुछ बड़े चेहरे भी शामिल हो सकते हैं।

आज इस्तीफा देकर नया दावा पेश करेंगे नीतीश

नीतीश कुमार ने आज सोमवार की सुबह कैबिनेट मीटिंग बुलाई है। बताया जा रहा है कि बैठक में मंत्रिमंडल भंग करने पर मुहर लग सकती है। इसके तुरंत बाद नीतीश कुमार राज्यपाल को इस्तीफा सौंपेंगे और इसके बाद नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू होगी।

ये महिला बनेंगी बिहार की डिप्टी सीएम!

बिहार में मंत्रिमंडल गठन का फॉर्मूला लगभग तय है। इस फॉर्मूले के आधार पर प्रति 7 विधायक पर एक या हर दल से एक मंत्री बनाए जाएंगे। बिहार में कोई कुल 30 से 32 मंत्री बनाने के संकेत मिल रहे हैं। विधायकों की संख्या देखते लोजपा रामविलास से 3, राष्ट्रीय लोकमोर्चा और हिंदुस्तानी मोर्चा से एक एक मंत्री बनेंगे। डिप्टी सीएम की रेस में भाजपा के सम्राट चौधरी, रामकृपाल यादव और मंगल पांडे आगे हैं। साथ ही चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी(आर) को भी इस बार सरकार में जगह मिलने वाली है। सूत्र कह रहे हैं कि इस बार बिहार में डिप्टी सीएम किसी महिला विधायक को बनाया जाएगा।

भाजपा और जदयू की पहली बातचीत पूरी

बिहार में एनडीए की नई सरकार के गठन की कवायद अब सहमति मोड में पहुंच रही है। भाजपा और जेडीयू के बीच सरकार गठन को लेकर पहले दौर की बातचीत पूरी हो गई है। सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल में हिस्सेदारी को लेकर करीब-करीब फॉर्मूला तय हो चुका है और चर्चा अगले पड़ाव की तरफ बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक, 6 विधायक पर 1 मंत्री पद का फॉर्मूला लागू हो सकता है, जिसे लेकर दोनों दलों के बीच सहमति बनती दिख रही है। इसी खाका को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ जेडीयू ने बातचीत पूरी की है। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा आज पटना लौटेंगे। दिल्ली में हुई चर्चा के बाद वे सीधे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात करेंगे और सरकार गठन से जुड़े अहम मुद्दों पर आगे का रोडमैप रखेंगे। पटना पहुंचकर वे जेडीयू विधानमंडल दल की बैठक और एनडीए विधायक दल की बैठक को लेकर तैयारियों को भी आगे बढ़ाएंगे।

आरक्षण पर सीजेआई बीआर गवई ने कहा

आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ चुके वर्ग को बाहर किया जाना चाहिए

अनुसूचित जाति में भी लागू होना चाहिए क्रीमी लेयर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि वे अब भी इस विचार के पक्ष में हैं कि अनुसूचित जातियों (एससी) को मिलने वाले आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' यानी आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ चुके वर्ग को बाहर किया जाना चाहिए। एक कार्यक्रम 'इंडिया एंड द लिविंग इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन ऐट 75 इयर्स' में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक आईएएस अफसर के बच्चे और गरीब किसान मजदूर के बच्चों को एक ही स्तर पर नहीं रखा जा सकता। उनका कहना था कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। सीजेआई गवई ने बताया कि उन्होंने अतीत में भी इंद्रा साहनी (मंडल आयोग) मामले के आधार पर यही राय दी थी कि जैसे ओबीसी समुदाय में क्रीमी लेयर की पहचान की जाती है, वैसे ही यह व्यवस्था एससी समुदाय के लिए भी होनी चाहिए, भले ही इस विचार की काफी आलोचना हुई हो। उन्होंने मुस्कराकर कहा कि 'न्यायाधीशों को आम तौर पर अपने फैसलों का बचाव नहीं करना चाहिए और मेरे पास सेवानिवृत्ति तक सिर्फ एक हफ्ता ही बचा है। सीजेआई ने कहा कि देश में वर्षों के दौरान महिलाओं के ▸▸शेष पेज 5 पर

संविधान ने बदली लाखों की जिंदगी, मैं भी उदाहरण

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान की वजह से ही आज भारत में दो राष्ट्रपति अनुसूचित जाति से हुए हैं और वर्तमान राष्ट्रपति एक अनुसूचित जनजाति की महिला हैं। अपनी यात्रा याद करते हुए उन्होंने कहा, 'अर्ध-झुग्गी जैसे इलाके और नगरपालिका स्कूल में पढ़ने वाला एक बच्चा भी जब देश की सर्वोच्च न्यायिक कुर्सी तक पहुंच सकता है, तो यह संविधान की ही ताकत है।

आरोपी को ईडी की कस्टडी में भेजा

दिल्ली की जज ने तड़के 3 बजे घर पर लगाई कोर्ट

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

■ गरीबों के लिए बने फ्लैटों को बेच डाला था

दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट की एडिशनल सेशंस जज शेफाली बरनाला टंडन ने मनी लॉड्रिंग के एक आरोपी को ईडी की कस्टडी में भेजने के लिए शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे अपने घर पर अदालत लगाई। ओशन सेवन बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रमोटर स्वराज सिंह यादव पर गुरुग्राम में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों के लिए बने फ्लैटों को अवैध रूप से कैश में बेचने का आरोप है। यादव के ठिकानों पर गुरुवार दिनभर चली ईडी की छापेमारी के बाद ईडी ने देर रात आरोपी को हिरासत में ले लिया। ईडी ने यह कदम पीएम आवास योजना के फ्लैटों की अवैध बिक्री से प्राप्त 222 करोड़ रुपए से अधिक के ▸▸शेष पेज 5 पर

पत्रकारिता के लिए ईमानदारी, सटीकता और सही जानकारी साझा करने की प्रतिबद्धता जरूरीः देसाई

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई ने रविवार को कहा कि पत्रकारिता के लिए ईमानदारी, सटीकता और सही जानकारी साझा करने की प्रतिबद्धता जरूरी है, खासकर आज के दौर में जब गलत सूचना और तकनीक का दुरुपयोग बढ़ रहा है। प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा और उच्च पत्रकारिता मानकों को बनाए रखने की प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया की दोहरी जिम्मेदारी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि निर्णय शक्ति, अंतरात्मा और जिम्मेदारी की वह भावना जो हर पत्रकार को दिशा देती है, उसे गलत सूचना के ▸▸शेष पेज 5 पर

पदयात्रा के बीच सीएम डॉ. मोहन यादव ने कई श्रद्धालुओं से भी बात की

मुख्यमंत्री बाबा बागेश्वर की एकता पदयात्रा मे हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को अपने व्यस्ततम समय में से कुछ समय निकालकर अचानक बाबा बागेश्वर की हिंदू एकता पदयात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री पदयात्रा में बाबा बागेश्वर के साथ चले। उन्होंने सड़क पर ही बैठकर बाबा बागेश्वर के साथ प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने उपस्थित लोगों से भी बातचीत ▸▸शेष पेज 5 पर

यह बैठक अंतर-राज्य परिषद सचिवालय द्वारा हरियाणा सरकार की मेज़बानी में आयोजित की जा रही है

अमित शाह आज फरीदाबाद में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, सोमवार को फरीदाबाद, हरियाणा में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

उत्तरी क्षेत्रीय परिषद में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र शामिल हैं। भारत सरकार, राज्य सरकारों, और संघ राज्यक्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारी भी परिषद की इस बैठक में भाग लेंगे। यह बैठक अंतर-राज्य परिषद सचिवालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा सरकार की मेज़बानी में आयोजित की जा रही है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 15 से 22 के तहत उत्तरी क्षेत्रीय परिषद सहित 5 क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह उत्तरी क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष हैं और हरियाणा के मुख्यमंत्री इसके उपाध्यक्ष हैं। सदस्य राज्यों में से एक राज्य के मुख्यमंत्री, हर साल परिषद के उपाध्यक्ष होते हैं। इस क्षेत्रीय परिषद में उत्तरी क्षेत्र के प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री तथा दो वरिष्ठ मंत्री, और उत्तरी क्षेत्र के संघ राज्यक्षेत्रों के उप-राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं प्रशासक सदस्य हैं। क्षेत्रीय परिषद ने मुख्य सचिवों के स्तर पर एक स्थायी समिति का भी गठन किया है। राज्यों द्वारा प्रस्तावित मुद्दों को पहले क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति के समक्ष चर्चा के लिए प्रस्तुत किया जाता है, जिनमें विचार के बाद ▸▸शेष पेज 5 पर

नारी शक्ति की उड़ान : पायलट प्रोजेक्ट पर सेना कर रही विचार

अब टेरिटोरियल आर्मी में भी शामिल हो सकेंगी महिलाएं

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारतीय सेना महिलाओं के लिए एक और नया दरवाजा खोलने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, आर्मी ने टेरिटोरियल आर्मी की कुछ बटालियनों में महिला कैडर की भर्ती का प्रस्ताव विचार के लिए रखा है। शुरुआत एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर होगी, यानी फिलहाल कुछ ही यूनिट्स में महिलाओं को जगह दी जाएगी। आगे चलकर, नतीजों और अनुभव के आधार पर दायरा बढ़ाया जा सकता है।

सरकार लंबे समय से सशस्त्र बलों में 'नारी शक्ति' पर जोर दे रही है। सेना भी अपने ढांचे में महिलाओं की भूमिका को धीरे-धीरे विस्तार दे रही है। मार्च 2022 में राज्यसभा में दिए एक लिखित जवाब में तत्कालीन रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने बताया था कि महिलाओं की कॉम्बैट भूमिका को लेकर नीति लगातार समीक्षा में रहती है। आज महिलाएं सेना की 10 बड़ी शाखाओं, इंजीनियर्स, सिग्नल्स, एयर डिफेंस, एएससी, एओसी, ईएमई, आर्मी एविएशन, इंटेलिजेंस, जेएजी और एजुकेशन कॉर्प्स, ▸▸शेष पेज 5 पर

टेरिटोरियल आर्मी का वर्तमान स्वरूप

आज टेरिटोरियल आर्मी में करीब 50,000 जवान हैं। इनमें 65 विभागीय इकाइयां (जैसे रेलवे, आईओसी, ओएनजीसी) और कई गैर-विभागीय टेरिटोरियल आर्मी बटालियन शामिल हैं। इसमें इंफैंट्री, होम एंड हार्थ बटालियन, पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी इकोलॉजिकल बटालियन, एलओसी पर बाड़बंदी का रखरखाव करने वाली इंजीनियर रेजिमेंट शामिल हैं।

क्या है टेरिटोरियल आर्मी?

टेरिटोरियल आर्मी को 18 अगस्त 1948 को कानून के तहत स्थापित किया गया था। बाद में भारत के पहले गवर्नर जनरल सी. राजगोपालाचारी ने 9 अक्टूबर 1949 को इसका औपचारिक उद्घाटन किया। इसकी खासियत है, नागरिक सैनिक (सिटिजन सोल्जर) का विचार। यानी ऐसे नागरिक जिन्हें देश की सेवा का जुनून है, लेकिन जो नियमित सेना में शामिल होने की उम्र पार कर चुके हों, उन्हें वर्दी पहनने का मौका मिलता है।

संक्षेप

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे पर लगातार हो रहे हादसों पर लगेगी लगाम!

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। निमार्णाधीन लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे पर घटनाओं को रोकने के लिए सतर्कता बढ़ाई जाएगी। पिछले ढाई सालों में कई घटनाएं होने के बाद भी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) की कार्यदायी संस्था पीएनसी संरक्षा व सुरक्षा दोनों बढ़ाएगी। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे का काम जनवरी 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस दौरान कोई और हादसा या दुर्घटना न हो, इसके लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। यहां चंद सालों में कई घटनाएं हो चुकी है। कभी कोई वाहन खुले नाले में गिर जाता है तो कभी हाइड्रा का तार टूटने से गर्डर कार के ऊपर गिर जाता है। शनिवार को हाइड्रा एलीवेटेड रोड पर पलट गई थी। यही नहीं कई बार एलीवेटेड रोड पर काम करने के दौरान लोहे के एंगल व अन्य सामान नीचे चलते हुए वाहनों पर गिर चुके हैं। इसके बाद भी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ऐसा कोई उपाए नहीं किए, जिससे ऐसे हादसों पर विराम लग सके। अब एक बार फिर दावा किया गया है कि अब जनवरी 2026 तक कोई हादसा न हो, उसके लिए टीमें सतर्कता ज्यादा बरतें। शनिवार को सरोजनीनगर स्थित हाइडिल पुलिस चौकी के पास एलीवेटेड रोड पर लगे नाइस बैरियर को तोड़ते हुए हाइड्रा के आगे का हिस्सा लटक गया था। अगर हाइड्रा मशीन नीचे गिरती तो बड़ा हादसा हो सकता था। अब कार्यदायी संस्था पीएनसी के प्रशासनिक अधिकारी अंकुर जैन का दावा है कि कोई भी काम होगा। चाहे वह एलीवेटेड रोड का हो या फिर मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग का। सुरक्षा व संरक्षा दोनों का ध्यान पहले से ज्यादा रखा जाएगा। यही नहीं गार्ड लगाने के साथ ही काम के दौरान वाहनों का संचालन पूरी तरह से रोका जाएगा।

दुस्साहस, लखनऊ में चेकिंग कर रहे यातायात पुलिसकर्मी को दस किमी दूर भगा ले गया बिना नंबर की स्कॉर्पियो का चालक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊः राजधानी लखनऊ में बेखौफ चल रहे वाहनों के चेकिंग अभियान के दौरान अक्सर ही यातायात कर्मियों को अभद्रता झेलनी पड़ती है। कभी विधायकों के गुर्गे तो कभी दबंग इनके कार्य में बाधा बन रहे है। ताजा मामला सरोजनी नगर क्षेत्र का है। शनिवार को बिना नंबर की स्कॉर्पियो को रोकने के बाद कागज चेक कर रहे यातायात पुलिस कर्मी को चालक गाड़ी सहित लेकर दस किलोमीटर दूर तक भाग गया और पुलिस की घेराबंदी में पकड़ा गया। शहीद पथ पर रविवार को दिन में वाहनों की चेकिंग के दौरान एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। नियमित जांच के लिए रोके जाने पर एक स्कॉर्पियो कार चालक अचानक गाड़ी भगा ले गया और यातायात पुलिसकर्मी को साथ लेकर करीब दस किलोमीटर तक दौड़ाता रहा। पुलिसकर्मी ने किसी तरह खुद को सुरक्षित किया और सूचना उच्चाधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने वाहन का पीछा करने के लिए घेराबंदी की और आरोपित चालक को पकड़ लिया गया। यातायात पुलिसकर्मी की तहरीर पर चालक के खिलाफ सरोजनी नगर थाने में देर में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत शहीद पथ मोड़ पर टीएसआई अजय कुमार अवस्थी के साथ शनिवार को आरक्षी रंजीत कुमार यादव ड्यूटी पर तैनात थे। तभी काले रंग की बिना नंबर प्लेट की स्कॉर्पियो कानपुर - लखनऊ मार्ग से आकर शहीद पथ तिराहा कट पर आकर रुकी और सवारी बैठाने लगी। रंजीत ने चालक को गाड़ी किनारे लगाने को कहा और वाहन के दस्तावेज मांगे। इस पर वाहन चालक ने तुरंत ही दो सवारी बैठाई और कमता की तरफ चलने लगा। पुलिसकर्मी रंजीत खिड़की खोलकर वाहन में घुस गया तो चालक ने स्पीड को तेज कर दिया और गाड़ी को लेकर कमता की तरफ भागा। इस बीच दौरान उसकी गाड़ी से से कई वाहन टकराते-टकराते बचे। रंजीत ने इसी दौरान ट्रैफिक कंट्रोल को उक्त घटना के संबंध में जानकारी दी। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन के सेवई पुलिस चौकी के पास रोकवाया। यातायात प्रभारी निरीक्षक रविंद्र सिंह ने बताया कि वाहन चालक ने नाम कृष्ण कुमार गोस्वामी निवासी अमौसी बाजार थाना सरोजनीनगर बताया। फिलहाल घटना के संबंध में दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए खेलना जरूरी : रंजीत रावत

● कबड्डी प्रतियोगिता में हमीरपुर की टीमें रहीं हावी, जीते खिताब

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि रंजीत रावत ने कहा कि हमारे जीवन में पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि मस्तिष्क को भी सक्रिय और संतुलित बनाते हैं। श्री रावत रविवार को बंथरा में वीरांगना ऊदा देवी की स्मृति में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए संबोधित कर रहे थे। पूर्व प्रधान विशम्भर रावत की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में रंजीत रावत ने कि खेल हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं। नियमित खेलकूद से ऊर्जा बढ़ती है, शरीर चुस्त-दुरुस्त रहता है और तनाव भी कम होता है। खेल व्यक्ति के अंदर भावनात्मक और मानसिक क्षमता को भी मजबूत बनाते हैं, जिससे व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। प्रतियोगिता की शुरूआत प्रेस क्लब सरोजनीनगर के अध्यक्ष राज किशोर पासी द्वारा टॉस उछालकर की गई। महिला वर्ग में हमीरपुर महिला टीम, कप्तान जाह्नवी के नेतृत्व में, सहिजनपुर की टीम को बड़े अंतर से हराकर ट्रॉफी और पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं पुरुष वर्ग में हमीरपुर पुरुष टीम, कप्तान रवि पासी के नेतृत्व में, कटी बगिया की टीम को हराकर विजेता बनी और नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। चेयरमैन प्रतिनिधि रंजीत रावत ने विजेता टीमों को 51-51 सौ रुपये तथा उपविजेता टीमों को 21-21 सौ रुपये का नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सभासद आशीष, पूर्व प्रधान विशंभर रावत, प्रदीप रावत, संदीप रावत, महादेव रावत, जयपाल रावत, सुभाष रावत, संतोष रावत, मटरू रावत, शंकर रावत और वीरो रावत सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

उदा देवी बलिदान दिवस पर योगी-राजेश्वर के हल्के-फुल्के पलों ने खींचा सबका ध्यान

● वीरांगना उदा देवी पासी प्रतिमा अनावरण: डॉ. राजेश्वर सिंह ने सीएम योगी व राजनाथ सिंह का किया स्वागत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। वीरांगना उदा देवी पासी जी के पराक्रम और बलिदान को नमन करते हुए, रविवार को सरोजनीनगर के वृंदावन योजना सेक्टरझ्19 स्थित पासी चौराहे पर उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह जी ने प्रतिमा भेंटकर दोनों माननीय नेताओं का आत्मीय स्वागत किया। समारोह के दौरान डॉ. सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के बीच सौहार्दपूर्ण, हल्की मुस्कान से भरे आत्मीय क्षण भी देखने को मिले, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बने।

144 सप्ताह, 144 शिविर, सेवा, संवाद और समाधान की मिसाल बना सरोजनीनगर

● सरोसा में जनता का विश्वास और मजबूत – डॉ. राजेश्वर सिंह का 144वाँ जन संवाद शिविर सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा पिछले 144 सप्ताहों से जारी 'आपका विधायक - आपके द्वार' जन संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को खुशहालगंज मंडल के सरोसा गांव में 144वें शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान क्षेत्रवासियों की सड़क, पेंशन, आयुष्मान कार्ड जैसी आवश्यकताओं /सुझाओ, मांगों एवं को सुनते हुए उनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान एक वृद्धा का आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। सुलभ प्रशासन और प्रभावी संवाद की यह पहल लगातार ग्रामीणों का विश्वास मजबूत कर रही है।

सन आई हॉस्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार : 50 ग्रामीणों को चश्मे वितरित

जनझ्जन तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के सतत प्रयासों के तहत, सन आई हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क नेत्र चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में नेत्र परीक्षण के बाद 50 ग्रामीणों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए गए।

गाँव की शान पहल के तहत मेधावी छात्रों का सम्मान:

गाँव की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सरोसा ग्राम के चार मेधावियों, वैष्णवी पाल (89.2%), नैंशी पाल (81.3%), नेहा गौतम (70%) एवं धोनी पाल (58.1%) को साइकिल, घड़ी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह युवाओं में शिक्षा के प्रति उत्साह और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का प्रतीक है।

युवा शक्ति का विस्तार : सरोसा में 3 नए यूथ क्लबों का गठन

युवा सशक्तिकरण के निरंतर क्रम में सरोसा में, 157वाँ एवं 158वाँ बॉयज यूथ क्लब, 93वें गर्ल्स यूथ क्लब का गठन किया गया। युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने हेतु Cricket, Volleyball, Carrom, Football आदि खेलकिट भी वितरित की गईं।

प्रबुद्धजनों का सम्मान:

शिविर के दौरान क्षेत्र के प्रबुद्धजन एवं गणमान्यों अर्जुन लोधी, ईश्वरदीन, परवेश कुमार, साहब दीन गौतम, त्रिलोकी गौतम, फकीरे, सताना देवी, भाई लाल साहू, सहदेव जी, राम सेवक, इंद्रपाल, शीतला प्रसाद, आनंद, सर्वेश कुमार, कैलाश, आकाश, बाबू लाल, सुवासिनी, शकुंतला तथा अन्य जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर में उपस्थित सभी ग्रामीणों को तारा शक्ति निःशुल्क रसोई के माध्यम से ताजा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया।

अस्पताल में मोबाइल चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, तीन मोबाइल व सिम बरामद

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। अस्पताल में मरीजों व तीमारदारों के मोबाइल चोरी की घटनाओं के बीच सुरक्षा कर्मियों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। अस्पताल के ओल्ड ओपीडी रेडियोथेरेपी वार्ड से मोबाइल चोरी कर भाग रहे शातिर चोर इमरान उर्फ पुल्ली को सहायक सुरक्षा अधिकारी डी.के. पाण्डेय और सुरक्षाकर्मी रविकान्त दुबे ने दौड़ाकर पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची थाना पीजीआई पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके पास से तीन मोबाइल फोन, जिओ सिम, 200 रुपये व एक घड़ी बरामद की है। आरोपी के खिलाफ थाना पीजीआई में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है और उस पर लखनऊ के कई थानों में चोरी व नकबजनी के कई मुकदमे दर्ज हैं।

राष्ट्रीय लोकदल महासचिव का संबोधन, जयंत चौधरी को जीवन भर अध्यक्ष बनाए रखने की मांग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने पार्टी के अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि जयंत चौधरी के नेतृत्व में पार्टी ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने बताया कि जब जयंत चौधरी ने पार्टी की बागडोर संभाली थी, उस समय पार्टी के पास मात्र एक विधायक था। लेकिन उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद संगठन लगातार मजबूत हुआ है और जनाधार भी तेजी से बढ़ा है। अनिल दुबे ने कहा कि आज पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता चाहता है कि जयंत चौधरी आजीवन राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहें, ताकि किसानों, नौजवानों और गरीब वर्ग के लिए चल रही संघर्ष और सेवा की धारा निरंतर आगे बढ़ती रहे। उनके अनुसार, जयंत चौधरी के नेतृत्व ने पार्टी को नई दिशा और मजबूती प्रदान की है। कार्यक्रम के दौरान अनिल दुबे ने जयंत चौधरी को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। अधिवेशन के मंच से कार्यकताओं में उत्साह और जयंत चौधरी के प्रति विश्वास स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

बिना नंबर स्कार्पियो कार चालक पुलिसकर्मी को घसीटते हुए तेज रफ्तार में भागा

● सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के शहीद पथ तिराहे की घटना, आरोपी चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के शहीद पथ तिराहे पर शुक्रवार दोपहर ट्रैफिक पुलिस द्वारा रोके जाने पर एक काले रंग की बिना नंबर की स्कार्पियो कार चालक पुलिसकर्मी को घसीटते हुए तेज रफ्तार में भाग निकला। करीब एक किलोमीटर तक दूसरे वाहन टकराते-टकराते बचे। सूचना पर सक्रिय हुई टीआरबी-3 टीम ने वाहन को सेवई पुलिस चौकी के पास रोकवाया। चालक पूछताछ के दौरान मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन अपने कब्जे में लेकर आरोपी चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज उसकी तलाश में जुटी है। यातायात विभाग के आरक्षी रंजीत कुमार यादव ने सरोजनीनगर पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि बीते शुक्रवार की दोपहर करीब एक बजे वह शहीद पर तिराहे पर यातायात व्यवस्थित करने के लिए शहीद पथ तिराहे पर तैनात थे। आरक्षी रंजीत कुमार यादव का आरोप है कि इसी दौरान कानपुर-लखनऊ मार्ग से काले रंग की एक बिना नम्बर प्लेट की स्कार्पियो तिराहे पर आकर रुक गई और चालक ने मौके पर ही सवारी बैठाना शुरू कर दिया। टीएसआई के निर्देश पर वह वाहन चालक से कार को साइड में लगाने व कागजात दिखाने को कहा। लेकिन चालक ने नियमों की अनदेखी करते हुए वाहन को तेजी से बढ़ा दिया और दो सवारियों को बैठाकर कमता की तरफ भागने लगा। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए आरक्षी रंजीत यादव ने खिड़की खोलकर कार में प्रवेश कर चालक को रोकने की कोशिश की, परन्तु चालक ने रफ्तार और तेज कर दी। इस दौरान स्कार्पियो कई वाहनों से टकराते-टकराते बची, जिससे सड़क पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। आरक्षी ने तत्काल ट्रैफिक कंट्रोल को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही टीआरबी-3 टीम ने स्कार्पियो को सेवई पुलिस चौकी के पास पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक पकड़े गये वाहन चालक ने अपने को सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के अमौसी बाजार में रहने वाला कृष्ण कुमार गोस्वामी बताया। इस दौरान कार में बैठी दो सवारियों से पूछताछ की जा रही थी, तभी मौका पाकर चालक पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस ने आसपास तलाश की लेकिन चालक का कोई सुराग नहीं लगा। बिना नम्बर की स्कार्पियो को कब्जे में लेकर उसे थाने भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि चालक द्वारा सरकारी कार्य में बाधा, बेवजह सवारी बैठाना, बिना नम्बर प्लेट वाहन चलाना और लापरवाही/तेज रफ्तार जैसी धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत, पति पर हत्या का आरोप

मृतका माधुरी फाइल – फोटो

रोते बिलखते परिजन व अन्य

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें ससुराल पक्ष पर विवाहिता की प्रताड़ना और संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का आरोप लगा है। मृतका बेटी के पिता श्री किशन सिकरोरी काकोरी ने मलिहाबाद थाने में तहरीर देकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री माधुरी (41) की शादी करीब 20 वर्ष पूर्व मलिहाबाद थाना क्षेत्र के मऊ रमगढ़ा निवासी राजाराम से हुई थी। शादी के बाद से ही पति राजाराम और सास रामदेई द्वारा मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न किया जाता था, जिसकी शिकायत पूर्व में भी थाने पर की गई थी। बीते 13 नवंबर को राजाराम ने जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की, जिसमें माधुरी को गंभीर चोटें आईं। इसके बाद 15 नवंबर शनिवार शाम को नातिन मुस्कान द्वारा सूचना मिली कि मां माधुरी की मौत हो गई। पिता श्री किशन ने आरोप लगाया कि उनकी पुत्री की मौत मारपीट के कारण हुई है। पीड़ित पिता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मृतका के परिवार में तीन बेटी मुस्कान, महक, खुशी और एक बेटा आदर्श है जिनका रो-रो कर बुराहाल है। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस विभिन्न पहलुओं पर मामले की जांच कर रही है।

बिहार चुनाव में महज एक सीट जीतने पर गदगद हुईं मायावती

बोलीं– 'विरोधियों की रणनीति हो गई फेल'

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बिहार विधानसभा चुनाव में कैमूर जिले की रामगढ़ सीट पर बसपा उम्मीदवार सतीश कुमार सिंह यादव की जीत को पार्टी सुप्रीमो मायावती ने विरोधियों की पूरी कोशिशों पर कार्यकताओं की मेहनत की जीत बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोटों की गिनती बार-बार करवाने के बहाने प्रशासन और सभी विरोधी दल एकजुट होकर बसपा उम्मीदवार को हराने में जुटे थे, लेकिन बसपा के जुझारू कार्यकर्ता अंत तक डटे रहे और विरोधियों की रणनीति नाकाम हो गई। मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और समर्थकों को इस जीत के लिए दिल से धन्यवाद दिया। कहा कि यह जीत संगठन की मजबूती और जमीनी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने यह भी बताया कि रामगढ़ के अलावा आसपास की अन्य सीटों पर भी बसपा उम्मीदवारों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। फीडबैक के अनुसार, यदि चुनाव निष्पक्ष होते तो बसपा कई और सीटें जीत सकती थी। मायावती ने कार्यकताओं से अपील की कि वे घबराने की बजाय भविष्य के लिए और मजबूत तैयारी करें। कहा कि आगे भी मेहनत जारी रखकर बिहार को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर और कांशीराम के 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सपनों की धरती बनाया जा सकता है। वहीं, बिहार चुनाव के बाद कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए बसपा छह दिसंबर, बाबा साहेब आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर नोएडा में एक बड़ी रैली आयोजित कर सकती है। इससे पहले नौ अक्टूबर को कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर भी बसपा ने रैली की थी।

'लोकेशन बेस्ड एक्सेस' से रुकेगा आयुष्मान कार्ड फर्जीवाड़ा, कसा गया शिकंजा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ : आयुष्मान कार्ड फर्जीवाड़े के बाद अब स्टेट एजेंसी फार काम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेस (साचीज) नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। इसमें कार्ड बनने का अनुमोदन अधिकारी अब आफिस से ही दे सकेंगे। सभी के कंप्यूटर सिस्टम पर स्थान आधारित लागिन (लोकेशन बेस्ड एक्सेस) की व्यवस्था शुरू की जाएगी। इससे किसी अन्य जगह से कार्ड जारी करने के लिए लागिन नहीं किया जा सकेगा। इससे फर्जी तरीके से कार्ड बनाने की कोशिशों को रोका जा सकेगा। फर्जीवाड़ा करके 450 से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने का मामला सामने आने के बाद साचीज के अधिकारी लगातार आवेदन और अनुमोदन की प्रक्रिया को अभेद बनाने में जुटे हुए हैं। अब साचीज के अधिकारियों को कार्ड के अनुमोदन के लिए सिर्फ आफिस से ही पोर्टल को खोलने की अनुमति मिलेगी। इसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) साथ मिलकर लोकेशन बेस्ड एक्सेस सुविधा को साफ्टवेयर में जोड़ा जाएगा। इससे कोई भी व्यक्ति अब अधिकारी या कर्मचारी की आइडी से कार्ड जारी नहीं कर पाएगा। बीते दिनों बने फर्जी आयुष्मान कार्ड साचीज के पांच अधिकारियों के मोबाइल नंबर को बदलकर अन्य जगहों से बनाए गए थे अब इस तरह की किसी भी कोशिश को नई सुविधा के शुरू होने से विफल कर दिया जाएगा। इसके अलावा ऐसे आयुष्मान कार्ड पर भी नजर रखी जाएगी, जो अवकाश के दिनों में बनाए जाते हैं।

सरकार और विद्युत नियामक आयोग से उपभोक्ताओं के बिजली बिल में वृद्धि से राहत देने की मांग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊः उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने सरकार और विद्युत नियामक आयोग से बिजली बिल में वृद्धि से राहत देने की मांग की है। परिषद का कहना है कि उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33,122 करोड़ रुपये अधिक (सरप्लस) निकल रहा है। ऐसे में बिजली दरें बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। इस वर्ष भी कंपनियों पर चार हजार करोड़ रुपये से ऊपर अधिक निकलना तय है। कानून के तहत प्रदेश में बिजली दरों में बढ़ोतरी नहीं हो सकती परिषद के अध्यक्ष और राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने रविवार को कहा कि उपभोक्ताओं के सरप्लस के आधार पर अगले पांच वर्षों तक बिजली दरों में कम से कम आठ प्रतिशत की कटौती की जाए, क्योंकि एक साथ 40 प्रतिशत की बिजली दरों में कमी पावर कारपोरेशन वहन नहीं कर पाएगा। सरकार को ध्यान में रखना चाहिए कि बिहार में एक अगस्त 2025 से 1.67 करोड़ घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली फ्री दी जा रही है। इसलिए प्रदेश में भी बिजली दरों में कमी की घोषणा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 108 के तहत लोक महत्व के इस विषय पर हस्तक्षेप करे और आयोग को निर्देश जारी करे कि 3.61 करोड़ उपभोक्ताओं की बिजली दरों में कमी करके उन्हें उनका हक दिया जाए। अतिरिक्त बोझ डालने की जगह सरप्लस राशि का उपयोग करके जनता को राहत देना समय की जरूरत है। अवधेश वर्मा ने कहा कि सरकार ने छोटे घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं को मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट दी है। अब जरूरत है कि नियमित रूप से बिल जमा करने वालों को भी दरों में कमी करके राहत दी जाए।

संक्षेप

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार को मारी टक्कर मासूम समेत चार घायल

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के लखनऊ बांगरमऊ मार्ग पर बाइक सवार युवक को सामने से आ रहे अनियंत्रित ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी जिसमें मासूम बच्चे सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए ग्रामीणों ने घायलों को मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने एक युवक की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के गांव अरगूपुर गांव निवासी बबलू 38 मां मुन्नी 60 व बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गौरा गांव निवासी साले रंजीत की पत्नी उर्मिला 37 व प्रीत 4 पुत्र रंजीत को लेकर मियागंज अस्पताल जा रहा था इसी बीच लखनऊ बांगरमऊ मार्ग पर स्थित सुभानी खेड़ा गांव के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार सभी लोग गंभीर घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने बबलू की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से भाग निकला।

लूट के आरोपियों पर हुई गैंग्स्टर की कार्यवाही

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर बकिया के मजरा गंज निवासी बबलू अपनी पत्नी ममता के साथ 10 मई को बाइक से कबरोई जा रहे थे तभी बहरौली के दो बाइक सवार 4 नकाबपोस बदमाशों ने असलहा लगाकर महिला के गले से मंगलसूत्र,झुमकी आदि की लूट की थी।जिसपर पुलिस ने इब्राहिम ऊर्फ बाबा निवासी भपटामऊ थाना पारा लखनऊ,आरिफ निवासी बरादेव औरास,इम्तियाज सलेमपर पतौरा पारा लखनऊ,विकास यादव मल्हे टोला थाना ठाकुरगंज लखनऊ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।जिनपर पुलिस ने गैंगस्टर की कार्यवाही की इंस्पेटर शरद कुमार ने बताया कि चारों पर गैंगस्टर की कार्यवाही की गई है

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की हुई मौत

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में एक युवती की अचानक हालत बिगड़ गई। परिजन उसे यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।ग्राम मदार नगर निवासी दलशेर का बेटा पिंटू अपनी बहन सबीना 18 वर्ष को लेकर आज रविवार की दोपहर करीब 12 बजे यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आया और इमर्जेंसी वार्ड में दाखिल कराया। जहां चिकित्सक द्वारा युवती को मृत घोषित कर दिया गया मामले की सूचना पुलिस को दिए बगैर भाई सहित अन्य परिजन शव लेकर अपने घर लौट गए। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि सबीना अपना मोबाइल चार्ज करने के लिए चार्जर को बिजली के बोर्ड में लगा रही थी। तभी अचानक वह तेज करेंट की चपेट में आकर बेहोश हो गई। तब सभी लोग उसे बेहोशी की हालत में यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिलाएं एवं वरिष्ठ जनों सम्मान समारोह एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रविवार सर्व सनातन उत्थान सेवा समिति के द्वारा महिलाओं एवं वरिष्ठ जनों का सम्मान समारोह एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया इस सम्मान समारोह में जनप्रतिनिधि एवं पत्रकार व वरिष्ठ जन समिति के पदाधिकारी सभी लोग मौजूद रहे यह कार्यक्रम दशमेश गेस्ट हाउस उन्नाव आज शाम 5:00 बजे संपन्न हुआ शाम जिसमें महिलाओं का महिला समिति की पदाधिकारी द्वारा लगभग 50 महिलाओं का सम्मान किया गया जैसे की जयंती शुक्ला रुचि शुक्ला व सविता शुक्ला छाया शुक्ला गुड्डी मिश्रा सविता उपाध्याय उर्मिला आदि लोगों को माल्या अर्पण कर अंग वर्स्त एवं भारत माता का चित्र देकर सम्मानित किया गया राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश शुक्ला द्वारा वरिष्ठ जनों का सम्मानित किया गया काशीराम के कुशल चिकित्सो एवं पैथोलॉजी द्वारा निशुल्क जांच एवं दवाइयां भी दी गई इस शुभ अवसर पर समिति के पदाधिकारी जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ जन मौजूद रहे इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सदर विधायक पंकज गुप्ता भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बालेंद्र सिंह नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि भानु मिश्रा सर्व सेवा सनातन उत्थान समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश शुक्ला व के कि, त्रिपाठी व किसान सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय पांडे प्रदेश अध्यक्ष रेखा शुक्ला व प्रदेश उपाध्यक्ष महिला समिति की मंजू लता अवस्थी अपराजिता तिवारी साधना दीक्षित संगठन मंत्री प्रदेश महिला समिति की उपाध्यक्ष अपराजिता तिवारी वह महिला समिति की जिला अध्यक्ष नीतू त्रिवेदी जिला उपाध्यक्ष पुनीता दीक्षित जयंती महिला समिति जिला मंत्री संरक्षक शिवपूजन पांडे आचार्य समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित शिवकुमार तिवारी शास्त्री वजीला मंत्री रामा शंकर गुप्ता व जिला उपाध्यक्ष संतोष अवस्थी व शशिकांत शुक्ला केंद्र के प्रबंधक प्रताप सिंह स्वास्थ्य समिति महामंत्री जिला व जिला महामंत्री डॉ अनुपम शुक्ला वी डॉक्टर अनुराग तिवारी जी डॉक्टर अभिषेक शुक्ला काशीराम हॉस्पिटल विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा एक पैथोलॉजी में संपन्न कराया गया सैकड़ो मरीज को फ्री में स्वास्थ्य जांच और दवाइयां वितरण की गई जिसमें जिला अध्यक्ष प्रेम सिंह जी स्वास्थ्य टीम जिसमें पैथोलॉजी विशेषज्ञ राजन यादव और शैलेंद्र यादव के द्वारा न्यू किया प्रबंधक ने करवाया की सराहना भी की कपिल राजपूत जिला उपाध्यक्ष प्रदेश उपाध्यक्ष बलयान वह सैकड़ो की संख्या में सदस्यों ने भाग लिया इस अवसर पर जब सतीश शुक्ला से पूछा गया पत्रकारों के द्वारा तो उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया इस समिति का मुख्य रूप से काम सनातन को आगे ले जाने का है जिसमें गरीब असहाय की मदद गौ सेवा महिला सशक्तिकरण पर सार्वजनिक सांस्कृतिक कार्यक्रम मंदिरों की मुगलोके जमाने की खंड मूर्तियों का मूर्तियों का जीर्णोद्धार कराना और सनातन को आगे ले जाना मेरे और मेरी समिति के सदस्यों के द्वारा संकल्पित है इस बात पर जनप्रतिनिधियों ने व वरिष्ठ जनों ने समिति का साथ देने के लिए कहा इस इस बात पर भारत माता जय सनातन धर्म के नारे लगे इसको मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश शुक्ला एवं पदाधिकारी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया साथ ही समिति द्वारा साधना दीक्षित को महिला समिति संगठन मंत्रीका पदभार भी सौपा गया

कल्याणी माता मंदिर प्रांगड़ में खाटू श्याम का भव्य जागरण हुआ आयोजित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कल्याणी माता मंदिर प्रांगण में इस वर्ष भी भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक आस्था को समर्पित इस आयोजन में बड़ी संख्या में पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और स्थानीय श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण खाटू श्याम का भव्य जागरण रहा, जिसमें देर रात तक भजन-कीर्तन चलता रहा। आयोजन स्थल को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया था। पत्रकार समुदाय द्वारा आयोजित इस वार्षिक कार्यक्रम में जिले के कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। सदर के भाजपा विधायक पंकज गुप्ता, भाजपा नेता विमल द्विवेदी, उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष अमित मिश्रा, भाजपा नेता अनुज पांडेय और वरिष्ठ अधिवक्ता सतीश शुक्ला सहित अन्य लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने इस पहल को पत्रकारों का सराहनीय प्रयास बताया। जागरण में प्रदेश के प्रसिद्ध भजन गायकों ने प्रस्तुति दी, जिनके भजनों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया।₹हारे के सहारे श्याम₹, ₹मेरे मन में बसो श्याम₹ और ₹श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम₹ जैसे भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे और भक्ति में लीन दिखाई दिए। जागरण के दौरान प्रसाद वितरण और भंडारे की विशेष व्यवस्था की गई, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस व स्वयंसेवक पूरे कार्यक्रम में तैनात रहे। पत्रकारों ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि मीडिया कर्मियों में आपसी एकजुटता और समाज से संवाद का महत्वपूर्ण मंच भी है। आयोजकों ने बताया कि यह वार्षिक कार्यक्रम हर बार बड़ी तैयारी के साथ आयोजित किया जाता है और इस वर्ष इसे विशेष रूप से भव्य बनाया गया। उन्होंने क्षेत्रवासियों का धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजन आस्था और सद्भाव को मजबूत बनाते हैं। जागरण के सफल समापन के साथ पूरे क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का माहौल छा गया।

हाइवे के किनारे जला भुना मिला अज्ञात युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

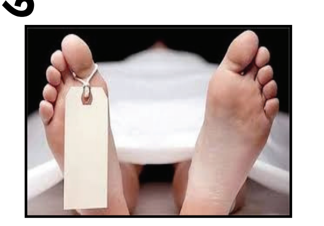

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के इंदेमऊ चौकी से लगभग 500 मीटर पाटन की ओर उन्नाव-लालगंज हाईवे के किनारे रविवार की शाम एक अज्ञात व्यक्ति का पूरी तरह जला हुआ शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव इतनी बुरी तरह जला था कि उसके हाथ-पैर तक अलग हो गए थे। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष राजपाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना स्थल तीन थाना क्षेत्रों की सीमा पर होने के कारण बिहार, बारा सगवर और बीघापुर की पुलिस भी पहुंची।

सीओ मधुप नाथ मिश्रा ने मौके का निरीक्षण किया और कहा कि शव पूरी तरह जला हुआ था और हाईवे के किनारे इस तरह जलाना संभव प्रतीत नहीं होता। प्राथमिक अनुमान है कि कहीं और हत्या कर शव को यहां लाकर जलाया गया हो सकता है। मामले की गहन जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों में चर्चा है कि यह घटना किसी पेशेवर अपराधियों द्वारा की गई लगती है, क्योंकि दिनदहाड़े हाईवे के पास इस तरह शव जलाना आम बात नहीं है। पुलिस ने कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।पुलिस आसपास लगे क्षेत्रों में सीसी टीवी फुटेज खंगालने में लगी है।

आबकारी विभाग ने की छापेमारी, अवैध कच्ची शराब बरामद

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने रविवार को मौरावां क्षेत्र के कई गांवों में बड़ी कार्रवाई की। शिकायतों के आधार पर की गई इस छापेमारी में भारी मात्रा में कच्ची शराब बरामद हुई और अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाला महुआ लहन भी नष्ट किया गया। इस कार्रवाई का नेतृत्व जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने किया, जिसमें आबकारी निरीक्षक निशांत सिंह और मौरावां थाने की पुलिस टीम भी शामिल थी। यह अभियान वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत सुबह शुरू किया गया। टीम ने ग्राम अहेसा, गडरियनखेड़ा, लच्छीखेड़ा बाजार और जनवारनखेड़ा जैसे संवेदनशील माने जाने वाले इलाकों में छापेमारी की। इन क्षेत्रों में लंबे समय से कच्ची शराब के निर्माण और बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। तलाशी अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों से कुल 88 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई, जिसे मौके पर ही सील कर दिया गया।इसके अतिरिक्त, शराब बनाने में उपयोग होने वाला 450 किलोग्राम महुआ लहन भी नष्ट किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस लहन का उपयोग स्थानीय स्तर पर बड़ी मात्रा में कच्ची शराब तैयार करने के लिए किया जा रहा था, और इसे इसलिए नष्ट किया गया ताकि इसका दोबारा इस्तेमाल न हो सके। छापेमारी के दौरान मौके से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। टीम ने उनके घरों, खेतों और अन्य संभावित ठिकानों की तलाशी ली। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मौरावां थाने में संबंधित मुकदमे दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने बताया कि अवैध शराब का कारोबार न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। विभाग ऐसे नेटवर्क पर लगातार नजर रख रहा है और भविष्य में भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मिश्र ने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध शराब के उत्पादन और बिक्री को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और क्षेत्र में सक्रिय ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

वीरांगना ऊदा देवी पासी को शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। परिसर में रविवार को वीरांगना ऊदा देवी पासी का शहादत दिवस मनाया गया। जिसमें क्षेत्र से भारी संख्या में लोग आए और ब्लॉक परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

ब्लॉक परिसर में स्थापित की वीरांगनादी ऊदा देवी पासी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। सुनील कुमार रावत ने बलिदान दिवस पर उनको याद करते हुए बताया कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के दमनकारी शासन को चुनौती दी थी। उन्होंने अपने साहस और पराक्रम से 36 अंग्रेजों को मार गिराया था। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण को याद किया।

ऊदा देवी पासी 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख नायिकाओं में से एक थीं। उन्होंने अंग्रेजी सेना का सामना करते हुए युद्धभूमि में अपनी वीरता का प्रदर्शन किया था।

पासी सेना योद्धा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रजनीश आर्या ने वीरांगना ऊदा देवी पासी के शहादत दिवस को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करते हुए उनको राजकीय दर्जा दिया जाये। जिससे उनकी बहादुरी और वीरता को आने पीढ़ियां प्रेरणा ले सके। इस मौके पर आकाश रावत, कामता पासी, शिवा रावत, संदीप पासी, जीतू पासी, संतोष रावत समेत क्षेत्र के भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बीज दुकानों का टीम ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक बड़ा छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान जिले की 80 बीज दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 60 नमूनों को सील कर प्रयोगशाला भेजा गया है। अनियमितता पाए जाने पर छह दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिलाधिकारी उन्नाव के विशेष निर्देश पर जनपद में तीन संयुक्त टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने जिले के सभी बीज प्रतिष्ठानों पर अचानक पहुंचकर गहन जांच पड़ताल की। उप कृषि निदेशक रवि चंद्र प्रकाश की टीम ने बीघापुर और पुरवा क्षेत्र में निरीक्षण किया। वहीं, जिला कृषि अधिकारी शशांक ने हसनगंज और सदर क्षेत्र में छापेमारी की। इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए (कृषि) तथा उपजिलाधिकारी अनुराग कुमार की टीम ने सफीपुर और बांगरमऊ तहसील क्षेत्रों में दुकानों का निरीक्षण किया। इन संयुक्त टीमों ने बाजारों में सक्रिय होकर स्टॉक रजिस्टर, बिल, बारकोड, वैधता अवधि और गुणवत्ता संबंधी दस्तावेजों की जांच की। जांच के दौरान कई दुकानों पर रिकॉर्ड संदिग्ध पाए गए, जिसके बाद 60 नमूनों को सील कर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि लैब रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। निरीक्षण के दौरान छह दुकानों में अनियमितताएं और दस्तावेजों में गड़बड़ी पाई गई, जिसके चलते उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इन प्रतिष्ठानों में अन्नपूर्णा बीज भंडार, किसान बीज भंडार, शिवा बीज भंडार, रबी बीज भंडार (अचलगंज, उन्नाव), बाजपेयी बीज भंडार (जटपुरवा, सफीपुर) और किसान बीज भंडार (बीघापुर, उन्नाव) शामिल हैं। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी प्रतिष्ठान के नमूने फेल पाए जाते हैं या नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान रबी सीजन में किसानों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए आगे भी जारी रहेगा।

फॉर्मर रजिस्ट्री को लेकर की गई बैठक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा ब्लाक मुख्यालय पर ब्लाक प्रमुख आनन्द गुप्ता व एडीओ पंचायत रमाकांत पाण्डेय ने ब्लाक कर्मचारियों व प्रधानों के साथ बैठक कर पंचायतो के किसानो को फार्मर रजिस्ट्री कराने के लिये जागरूकता फैलाने की अपील की। प्रमुख ने कहा सभी किसानो को फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य हैं। जो भी किसान फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराएंगे उनकी सम्मान निधि की अगली किश्त रुक जाएगी साथ ही खाद ,बीज और कीटनाशक सहित अन्य सरकारी योजनाओ का भी लाभ नहीं मिलेगा। इस दौरान एडीओ आईएसबी अरविन्द सिंह ,दिनेश कनौजिया ,नागेंद्र सिंह सुशील कुमार ,दिलीप कुमार ,अरुण कुमार ,रीता ,राजेश साहू ,ललित सिंह सहित ब्लाक कर्मी व प्रधानगण मौजूद रहे।

अज्ञात डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। थाना अजगैन क्षेत्र में खेत जा रहा युवक अज्ञात डंपर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया। एंबुलेंस ने सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।बंथरा थाना क्षेत्र के हमीरपुर गांव निवासी राम प्रसाद 37 पुत्र शंभू प्रसाद के खेत अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गांव उसरहा के पास हैं। रविवार दोपहर राम प्रसाद बाइक से अपने खेत जा रहा था। इस दौरान जैतीपुर रेलवे क्रॉसिंग के आगे लखनापुर रोड पर अज्ञात डंपर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने उसे नवाबगंज सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पति-पत्नी के 20 विवादित जोड़ो की सकुशल की गयी विदाई

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जय प्रकाश सिंह पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में जनपद के सभी थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया तथा परिवार परामर्श केन्द्र व महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त महिला थाना से 06, थाना सोहरामऊ, थाना औरास से 03-03, थाना अचलगंज, थाना बारासगवर से 02-02, थाना बेहटा मुजावर, थाना हसनगंज, थाना पुरवा, थाना गंगाघाट से 01-01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में डा0 आशीष श्रीवास्तव परिवार परामर्श केन्द्र समिति प्रभारी पुलिस टीम में रेखा सिंह प्रभारी निरीक्षक महिला थाना, कमलेश कुमारी, अल्का यादव, लक्ष्मी सुहावना, अशु त्यागी, पूजा यादव, नीतू, पूनम यादव, उपासना, पूजा पाल, भारती भारद्वाज का विशेष योगदान रहा।

दुनिया का सारा ज्ञान-विज्ञान पुस्तको में है पूर्व विधान सभा अध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। पुस्तक पिता,माता,भाई, बहन कुछ भी हो सकती है। उक्त उद्गार पूर्व विधान सभा अध्यक्ष व पद्म श्री हृदय नारायण दीक्षित ने तहसील क्षेत्र के ऊँचगाँव स्थित हरिवंश लाल शुक्ल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में रविवार को आयोजित साहित्यभूषण डॉ गणेश नारायण शुक्ल की पुस्तकों का लोकार्पण करते हुए कहा। दीक्षित ने कहा- मेरा सौभाग्य है कि मुझे डॉ गणेश नारायण शुक्ल की एक नही चार चार पुस्तको का लोकार्पण करने का मौका एक साथ मिला वह उनकी अद्भुत मेधा व पूर्व परिश्रम का फल है। उनकी द्वारा लिखी गयी पुस्तक उन्नाव जनपद का इतिहास बहुत ही रोचक पुस्तक है जिससे उन्नाव जिले की जानकारी प्राप्त होती है जबकि अन्य पुस्तक पंचवटी की रात भी अत्यंत प्रेणादायक पुस्तक है। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ वि०वि०के हिंदी विभाग के प्रवक्ता सूर्य प्रसाद दीक्षित ने की जबकि संचालन राम नरेश सिंह द्वारा किया। कार्यक्रम की शुरूवात विद्यालय की छात्राओ ने माँ सरस्वती की वंदना व स्वागत गान नृत्य के साथ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम दौरान ही विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र -छात्राओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आस पास जिलों के वाणीपुत्रो द्वारा सुंदर कविता पाठ सुना खूब तालियां बटोरी गयी। विद्यालय प्रबंधन की तरफ से कार्यक्रम के अध्यक्ष सूर्य प्रसाद दीक्षित को इंद्राणी देवी शिवकंठ शुक्ल स्मृति सम्मान जबकि मुख्य अतिथि पद्म श्री हृदय नारायण दीक्षित को हरिवंश लाल शुक्ल स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कई वक्ताओं ने जिसमे अरुण कुमार दीक्षित,राकेश शुक्ल, मा० शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष आर पी वर्मा,डॉ ओम प्रकाश सिंह, चंद किशोर सिंह,डॉ रामनरेश,सुशील अवस्थी, आनंद मोहन द्विवेदी,नरेंद्र भदौरिया,संतीश सिंह,रमेश चंद्र तिवारी द्वारा हिंदी साहित्य के विकास पर विचार व्यक्त किये गए। इस मौके पर प्रबंधक-चंद्रिका प्रसाद मिश्र, प्रधानाचार्य-विनय कुमार शुक्ल ,आनंद वर्धन शुक्ल,राज बक्स सिंह,डॉ राम नरेश,महादेव सिंह,आनंद अवस्थी, अजय बाजपेयी,चैयरमैन आशीष शुक्ला, प्रकाश सिंह,भोले सिंह बीघापुर चैयरमैन प्रतिनिधि पवन पासवान, अंकित पांडेय,आशीष बाबा सहित सैकड़ों लोग व विद्यालय स्टाफ के साथ बच्चे उपस्थित रहे।

एएसपी ने कोतवाली परिसर का किया अर्धवार्षिक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। अपर पुलिस अधीक्षक प्रेमचंद ने रविवार को सफीपुर कोतवाली का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, भोजनालय सहित सभी शाखाओं की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने रजिस्टरों के संधारण, अभिलेखों की दशा और लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कर्मियों को स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि महिला संबंधित मामलों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और प्रत्येक फरियादी से शालीन व्यवहार किया जाए।निरीक्षण के समय प्रभारी कोतवाल सुब्रत नारायण त्रिपाठी, चौकी प्रभारी अनिल राजपूत, एसआई योगेंद्र प्रताप सिंह, संजय पांडेय, अशोक सरोज, विनोद सरोज, हेडकांस्टेबल सरोज, अमित सीसीटीएनएस विक्रांत गुज्जर सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा।एएसपी ने कोतवाली परिसर की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुधारात्मक दिशा-निर्देश भी जारी किए।

डाउन लाइन पर किया जाएगा शिफ्टिंग कार्य , कई ट्रेनें होगी प्रभावित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल ने कानपुर सेंट्रल-लखनऊ रेल मार्ग पर ट्रेनों के संचालन को प्रभावित करने की घोषणा की है। यह प्रभाव 19 नवंबर, बुधवार को आवश्यक शिफ्टिंग कार्य के कारण होगा। मंडल द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, जैतीपुर-हरौनी रेलखंड में डाउन लाइन पर शिफ्टिंग कार्य किया जाएगा। इसके लिए बुधवार, 19 नवंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक कुल 7 घंटे 30 मिनट का ट्रैफिक-कम-पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इस ब्लॉक के कारण कई मेल/एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। इन ट्रेनों को या तो निरस्त किया जाएगा, परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा, या उनके समय में बदलाव किया जाएगा। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपनी संबंधित ट्रेनों की वर्तमान स्थिति की जांच अवश्य कर लें। इससे उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने में मदद मिलेगी।

ट्रैफिक ब्लॉक के दौरान चार ट्रेनों को पूरी तरह से रद्द किया जाएगा - 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस, 19 नवंबर को निरस्त। 11110 लखनऊ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी इंटरसिटी एक्सप्रेस, 20 नवंबर को निरस्त। 51813 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-लखनऊ पैसेंजर, 19 नवंबर को निरस्त। 51814 लखनऊ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी पैसेंजर, 19 नवंबर को निरस्त।

64212 कानपुर सेंट्रल-लखनऊ मेमू अपने निर्धारित समय दोपहर 12:20 बजे के स्थान पर शाम 4:50 बजे कानपुर सेंट्रल से प्रस्थान करेगी। इनका किया गया मार्ग परिवर्तित-लाइन शिफ्टिंग कार्य के कारण कई प्रमुख ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाया जाएगा- 12004 नई दिल्ली-लखनऊ शताब्दी (19 नवंबर) उन्नाव-मानक नगर-लखनऊ की जगह उन्नाव-माखी-बालामऊ जं. लखनऊ मार्ग से चलेगी। 12103 पुणे-लखनऊ एक्सप्रेस (18 नवंबर) भी अपने नियमित मार्ग के स्थान पर उन्नाव-माखी-बालामऊ-लखनऊ मार्ग से गुजरेगी। 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस (18 नवंबर) को भी इसी परिवर्तित मार्ग पर चलाया जाएगा। 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ इंटरसिटी (19 नवंबर) टूंडला-कानपुर-लखनऊ की जगह उन्नाव-माखी-बालामऊ-आलमनगर-लखनऊ से संचालित होगी। 12173 एलटीटी-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ एक्सप्रेस (18 नवंबर) को उन्नाव-लखनऊ-रायबरेली के बजाय उन्नाव-डलमऊ-उबरनी-रायबरेली मार्ग से चलाया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह कार्य आगामी रेल परियोजनाओं और सुरक्षा सुधार के लिए अत्यंत आवश्यक है। ब्लॉक अवधि में रेल यातायात को सुरक्षित ढंग से संचालित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। यात्रियों से आग्रह किया गया है कि वे अपना सफर प्लान करते समय इन बदलावों का ध्यान रखें।

सम्पादकीय

शिक्षा के मंदिर पर कैसे पड़ा आतंक का साया

स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय शिक्षा के मंदिर होते हैं जो हमें सांसारिक शिक्षा व बौद्धिक ज्ञान के साथ संस्कार भी देते हैं। वैसे भी हमारी शिक्षा विश्व भर में सर्वश्रेष्ठ रही थी। इसलिए भारत को विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित किया गया था। विश्वभर के लोग, भारत में शिक्षा ग्रहण एवं अध्ययन करने आते थे। हमारे पूर्वज शिक्षित और ज्ञानवान थे। भारतीय ज्ञान, परम्परा एवं मान्यता के रूप में भारतीय समाज में सर्वत्र विद्यमान है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर, भारतीय समाज में परंपराएं एवं मान्यताएं स्थापित हुई हैं। भारतीय समाज, विशुद्ध रूप से वैज्ञानिक दृष्टिकोणधारक समाज है। इसके पीछे हमारी शिक्षा व्यवस्था ही है। आज भी स्कूल, कोचिंग, विश्वविद्यालय समाज का सहयोग करने, नई पीढ़ी को सही और गलत का अंतर सिखाने में अहम भूमिका निभाते हैं। क्योंकि यही वे लोग हैं जो हमारे देश का भविष्य बनेंगे और उनके लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि वे किसी परिस्थिति का विश्लेषण कैसे करेंगे और उसे कैसे संभालेंगे। पहले, शिक्षा भक्ति, विचार और संस्कृति से प्रेरित होती थी, जिसमें व्यवसाय और सीखने जैसी चीजों पर जोर दिया जाता था, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। यह सच नहीं रहा कि स्कूल और कॉलेज, विश्वविद्यालय ही वो जगहें हैं जहां छात्रों को परिपक्व, सफल और ईमानदार इंसान बनने के लिए उचित माहौल मिलता है। वे पटरी से उतर गए हैं। किसी न किसी तरह वे अपनी राह से भटक गए हैं। इन संस्थानों में अनेक तरह की बुराइयां जन्म ले रही हैं। अब फरीदाबाद के मुस्लिम बहुल गांव धौज में बनी अल फलाह यूनिवर्सिटी को ही लें। दिल्ली ब्लास्ट के बाद ये विश्वविद्यालय टेरर मॉड्यूल से जुड़े डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद जांच के घेरे में है। केंद्र सरकार ने इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट को यूनिवर्सिटी के फंडिंग की जांच के आदेश दे दिए हैं। अब तक यूनिवर्सिटी के तीन डॉक्टर डॉ. मुजम्मिल शकील, डॉ. शाहीन सईद और डॉ. उमर नबी का नाम दिल्ली धमाके में आ चुका है। दिल्ली धमाके में डॉ. उमर की मौत हो चुकी है। डॉ. निसार-उल-हसन, जो मेडिसिन डिपार्टमेंट में प्रोफेसर थे, इन्हें 2023 में जम्मू-कश्मीर के एलजी द्वारा टेरर लिंक्स के लिए बर्खास्त किया गया था, फिर भी यहां भर्ती कैसे हो गए। क्या विवि ने उनके पूर्व कार्यकाल की जांच तक करना भी जरूरी नहीं समझा। बताया जा रहा है कि वर्ष 1995 में स्थापित अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित इस विश्वविद्यालय की शुरुआत 1997 में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में हुई थी। 2013 में अल-फलाह इंजीनियरिंग कॉलेज को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से मान्यता प्राप्त हुई। अल-फलाह मेडिकल कॉलेज भी इसी विश्वविद्यालय से संबद्ध है। दिल्ली ब्लास्ट के बाद 76 एकड़ में फैला यह विश्वविद्यालय जांज एजेंसियों के निशाने पर है। हर पहलू की जांच हो रही है। यह तो जांच के बाद पता लगेगा कि विवि प्रशासन कसूरवार है या नहीं, लेकिन इतना तो तय हो गया है कि इसी शिक्षा के मंदिर में आतंकवाद का सांप पल रहा था, जिसने देश की राजधानी में 18 जिंदगियों को लील लिया। सरकार को ऐसे ही अन्य संस्थानों की कड़ी निगरानी करनी होगी जहां युवा पीढ़ी राह भटक रही है।

सबको लड़नी होगी आतंक के खिलाफ लड़ाई

जम्मू-कश्मीर को छोड़कर शेष देश पिछले लगभग एक दशक से आतंकी हमलों से करीब-करीब मुक्त था, लेकिन दिल्ली में लाल किले के निकट कार में हुए विस्फोट ने फिर से पुराने दौर की याद दिला दी, जब कुछ अंतराल पर एकल या शृंखलाबद्ध धमाकों से देश दहल जाता था। शेष देश में लंबे समय तक कोई बड़ी आतंकी घटना न घटने से आम लोग निश्चिंत थे कि अब आतंकी हमले नहीं कर सकेंगे, लेकिन पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी से लेकर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, हरियाणा के फरीदाबाद, गुजरात और दिल्ली तक बरामद विनाशकारी सामग्री तथा गिरफ्तार संदिग्ध आतंकवादियों के कारण उनकी चिंता फिर बढ़ गई है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पिछले कुछ समय से देश के कई हिस्सों से किसी न किसी आतंकी माड्यूल के पकड़े जाने की खबर आ रही है। पिछले दिनों ही गुजरात में हैदराबाद के एक डाक्टर को घातक रसायन बनाने की सामग्री और हथियारों के साथ पकड़ा गया। उसके दो साथी भी गिरफ्तार किए गए, जो उत्तर प्रदेश के हैं। इस साल अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने जब धर्म पूछकर 26 लोगों की हत्या की थी तो भारत ने इसके जवाब में आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी समूहों के मुख्य अड्डों को ध्वस्त कर सीमा पार आतंकवाद पर अब तक का सबसे बड़ा आघात किया था। निश्चय ही उसी के बाद से वे बड़े प्रतिशोध का षड्यंत्र रच रहे होंगे। लाल किला विस्फोट के तरीके और अब तक सामने आए षड्यंत्र की कहानी में छह वर्ष पहले पुलवामा हमले की जिहादी आतंक की कड़ी दिखती है। यद्यपि छानबीन के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी, बावजूद इसके पीछे की घटनाएं एक-दूसरे से जुड़ी लगती हैं। श्रीनगर में जैश-ए-मोहम्मद के समर्थन में पोस्टर लगने के बाद पुलिस ने आतंकवादियों के कुछ हमदर्द और पत्थरबाज गिरफ्तार किए। उनसे एक मौलवी का पता चला, जो संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त था। उससे पूछताछ के बाद अनंतनाग के रहने वाले डा. आदिल को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस जब उसे लेकर श्रीनगर पहुंची और पूछताछ की तो अनंतनाग के सरकारी अस्पताल से उसके ठिकाने से असाल्ट राइफल मिली। पुलिस ने और पूछताछ की तो पुलवामा जिले के डा. मुजम्मिल का पता चला। इससे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने जब फरीदाबाद के धौज स्थित अल फलाह मेडिकल कालेज में कार्रवाई की तो उसे 360 किलोग्राम विस्फोटक, एक एके-47 राइफल और 84 कारतूस सहित टाइमर, जिलेटिन के छड़ और अन्य सामग्रियां मिलीं। उसके बाद जांच की कड़ियां पुलिस को फरीदाबाद के फतेहपुर तगा गांव तक ले गईं, जहां एक घर में विस्फोटक के ढेर देखकर उसके होश उड़ गए। धौज से फतेहपुर तगा गांव चार किलोमीटर दूर है। डा. मुजम्मिल ने मौलाना इश्तियाक से यह घर किराए पर ले रखा था। करीब 3000 किलो अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटक बरामद होना सबसे बड़ी बरामदगियों में से एक है। अभी तक इस प्रकरण में गिरफ्तार लोग उच्च शिक्षा प्राप्त और संपन्न परिवार के हैं। डा. मुजम्मिल फिजिशियन है और फरीदाबाद के अल फलाह मेडिकल कालेज में पढ़ाता था और गिरफ्तार किए गए शोपियां के मौलवी इरफान अहमद, श्रीनगर के मकसूद अहमद डार, आरिफ निसार डार और यासिर उल अशरफ, गांदरबल के जमीर अहमद अहंगर में से कोई निर्धन, बेरोजगार या अनपढ़ नहीं है। लाल किला विस्फोट में मारा गया डा. उमर नबी एमडी मेडिसिन डिग्री के साथ फरीदाबाद के अल फलाह मेडिकल कालेज में डाक्टर था। डा. आदिल उसका साथी है। इनकी एक साथी डा. शाहीन लखनऊ की है। उसकी कार से एक राइफल मिली थी। फरीदाबाद माड्यूल में कुछ और डाक्टर शामिल पाए जा सकते हैं। जांच से ही पता चलेगा कि इन्होंने क्यों आतंकवादी माड्यूल बनाया? किस तरह इतना विस्फोटक, हथियार इकट्ठे किए, कौन-कौन इसके पीछे थे और कहां-कहां विस्फोट करने की साजिश थी? पिछले तीन दशकों की जिहादी घटनाओं के विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष यही निकलता है कि आतंकियों को लाल किला विस्फोट की प्रेरणा अपने कट्टर मजहबी सोच से मिली। इसी कारण यह जानते हुए कि विस्फोट में वे स्वयं भी मारे जाएंगे या पकड़े गए तो उन्हें मृत्युदंड मिलेगा, उन्होंने सब कुछ किया। इस सच को स्वीकार करना पड़ेगा कि सुरक्षा बलों की कार्रवाइयों से हम कुछ समय के लिए उन्हें कमजोर कर सकते हैं, पर दुनिया का इस्लामीकरण करने, काफिरों को सबक सिखाने के घातक मजहबी सोच को समाप्त करना आसान काम नहीं है। फरीदाबाद में एक व्यक्ति किराए पर घर लेकर भारी मात्रा में विस्फोटक लाता रहा, लेकिन मकान मालिक या किसी अन्य ने उसे रोकने-टोकने या पुलिस को खबर करने की कोशिश नहीं की। संभव है इन आतंकियों को स्थानीय लोगों का सहयोग मिला हो। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भारत सहित विश्व में जितनी आतंकवादी घटनाएं हुई हैं, ज्यादातर में स्थानीय लोगों का सहयोग रहा है। जब पाकिस्तान के जिहादी जनरल आसिम मुनीर कहते हैं कि मुसलमान हिंदुओं के साथ नहीं रह सकते और मदीना के बाद कलमे की बुनियाद पर बनने वाली दूसरी रियासत पाकिस्तान है तथा कश्मीर हमारे गले की नस है तो यह समझना चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष कितना कठिन है। पाकिस्तान को अमेरिका और तुर्किये जैसे देशों का मिलता सहयोग आतंकवादियों के लिए प्रोत्साहन और समर्थन साबित हुआ है। सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े एक-एक व्यक्ति के साथ भारत के सभी नागरिकों को हर क्षण जागरूक और सक्रिय रहने की आवश्यकता है। पता नहीं कौन हमारे आसपास जिहादी मानसिकता से लैस होकर भयानक हिंसा का षड्यंत्र रच रहा हो। एक राष्ट्र के नाते भारत का संकल्प आतंकवाद का समूल नाश करना है। इस संकल्प को बल तब मिलेगा, जब हर नागरिक आतंक के खिलाफ लड़ी जा रही लड़ाई में सजगता का परिचय देगा।

डा. रमेश ठाकुर

बालमन को समझने वाला चाहिए एक और 'चाचा'

बाल समस्याओं की भरमार है। कुछ समस्याएं ऐसी होती हैं जिन्हें समझने वाले और महसूस करने वालों का अकाल है। आज 'बाल दिवस' है जिसका सीधा संबंध पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू उर्फ चाचा से है। पर, ज्यादातर ये नहीं जानते कि नेहरू जी आखिर बच्चों के 'चाचा' बने कैसे? इस रहस्य से अधिकांश अनभिज्ञ है। वैसे, 'बाल दिवस' आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। जबकि, ये दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा अधिकृत 20 नवंबर को पूरे विश्व भर में मनाया जाता है। साल 1964 में पंडित जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद, भारतीय संसद में उनके जन्मदिन को देश में आधिकारिक तौर पर 'बाल दिवस' के रूप में स्थापित करने का प्रस्ताव एकमत से जारी किया गया। क्योंकि वह बच्चों के नितांत प्रिय हुआ करते थे। उनका बच्चों के प्रति लगाव देखने लायक था। सन् 1954 में, संयुक्त राष्ट्र की ओर से 20 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस घोषित किया गया था। पर, भारत ने इस दिवस को 14 नवंबर यानी पंडित नेहरू के जन्मदिन पर मनाने का निर्णय लिया। हिंदुस्तान में इस दिन को बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सुरक्षित वातावरण देना और उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य पर ध्यान देने पर केंद्रित होता है। बच्चों के प्रति बढ़ते अत्याचार, बाल श्रम, और शिक्षा की कमी जैसी समस्याओं पर जागरूकता निरंती फैलती रहनी चाहिए। बच्चों को बचपन में सही मार्गदर्शन और प्यार दिया जाना चाहिए। सभी के बच्चे बिना किसी भेदभाव के स्वतंत्र रूप से सीखने और बढ़ने का अधिकार रखते हैं। पंड़ति नेहरू की जैसे ही नजर बच्चे के रोने पर पड़ी, उन्होंने अपना भाषण रूकवाया और तुरंत अपने अंगरक्षक जोगेंद्र सिह को बच्चा और उसकी मां को मंच पर लाने को कहा, मां अपने बच्चे के साथ जैसे ही मंच पर चढ़ी, नेहरू ने आगे बढ़कर स्वंय बच्चे को अपने गोद में उठा लिया। बच्चा पंड़तिजी की गोद में जाते ही चुप हो गया और उनके जेब में लगे पेन से खेलने लगा। बच्चे के प्रति नेहरू के प्यार-स्नेह को देखकर सभा में उपस्थित लोग अचंभित हो गए और उसी समय से लोगों ने उन्हें 'चाचा' कहना शुरू कर दिया। बच्चों के प्रति उनकी उदारता, दयालुपन, स्नेहभाव और दीवानगी की ललक हम सभी में भी जगे, उसी मकसद को आज का ये खास दिवस पूरा करता है। बच्चे से प्यार तो हर कोई करता है। पर, नेहरू का प्यार बेशकीमती, अद्भुत, चमत्कारी होता था। रोते हुए बच्चे भी उनके सम्मुख जाकर एकाएक चुप हो जाते थे। बच्चों को चुप कराने की उनके पास पता नहीं कौनसी अद्भुत कला थी, जो सभी आश्चर्यचकित करती थी। सालाना हिंदुस्तान में 'बाल दिवस' बड़े उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। ये दिवस बच्चों को ढेर सारा स्नेह, उपहार और लाड-प्यार देने को समर्पित होता है। जवाहरलाल नेहरू शुरू से बच्चों के अधिकारों और एक शिक्षा प्रणाली के पक्षधर और समर्थक रहे थे। वह प्रत्येक बच्चे को देश का आने वाला भविष्य कहते थे, बच्चा बेशक कितना भी नटखट क्यों न हो, वह उनकी भी भरपूर सराहना करते थे। फूलपुर की चुनावी सभा में नेहरू ने अपने प्रसिद्ध भाषणों में एक बार कहा था कि बच्चे बगीचे में कलियों की तरह होते हैं और उनका सावधानीपूर्वक और प्यार से पालन-पोषण करना चाहिए, क्योंकि वे देश का भविष्य और कल के नागरिक हैं। मौजूदा वक्त में जिस बेहिसाब से समूचे देश के नौनिहालों के प्रति अत्याचार, विभिन्न किस्म की समस्याएं और अपराध बढ़े हैं, वो अगर जिंदा होते तो बहुत दुखी होते। एनसीआरबी की सालाना रिपोर्ट बच्चों के गायब होने के जो आंकड़े प्रस्तुत करती है, वो निश्चित रूप से डरावने होते हैं। तमाम हुकूमती कोशिशों के बावजूद बाल समस्याएं रुकने का नाम नहीं लेती। बाल दिवस के मौके पर आज देशभर के स्कूलों में गायन, निबंध, वाद-विवाद, खेलकूद जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। दरअसल, 'नेशनल बाल दिवस' पं. नेहरू को सच्ची श्रद्धांजलि देने का भी दिन कहा जाता है, जो उसके हकदार भी हैं। नेहरू बच्चों को राष्ट्र की संपत्ति मानते थे। साथ ही वह अक्सर नौनिहालों को मुल्क का सबसे कीमती संसाधन के रूप में भी संदर्भित करते थे।

क्षमा करें और भूल जाएं

संकलित

दर्शन

जीवन में हमें कई बार चुनौतियों और निराशाओं का सामना करना पड़ता है। जीवन में हमारा किसी न किसी ऐसी घटना से साक्षात्कार होता है, जो हमें पसंद नहीं होती या जिसके कारण हमें दुख होता है। जैसे किसी व्यक्ति ने हमारा किसी तरह अनुचित किया हो, शब्दों से हमें भावनात्मक रूप से दुख पहुंचाया हो या शारीरिक कष्ट पहुंचाया हो। परिणाम यह होता है कि हम निराश, दुखी और क्रोधित हो जाते हैं। जब तक हम किसी को क्षमा नहीं करते, तब तक हमारे साथ क्या होता है? हम हमेशा उसी घटना के बारे में सोचते रहते हैं या किसी और से भी उन बातों को दोहराते रहते हैं। कुछ लोग जिनका स्वयं पर नियंत्रण नहीं होता, वे शारीरिक रूप से उस व्यक्ति को हानि पहुंचाते हैं या अपना क्रोध किसी और पर निकालते हैं। ऐसा होने पर हम अपने चारों ओर नकारात्मक वातावरण पैदा कर लेते हैं। अपने मन की शांति खो देते हैं। कुछ क्षणों में घटित हुई घटना के लिए हम अपने जीवन के तमाम घंटे इस बात में लगा देते हैं कि उसका बदला कैसे लें। यदि हम इसके बजाय क्षमा कर दें तो हम इस समय का शांतिपूर्वक सदुपयोग कर सकते हैं। हम अपना ध्यान उस ओर लगाएं, जो आध्यात्मिक रूप से मददगार हो। जैसे कि पिता-परमेश्वर को याद करना, ध्यान-अभ्यास करना, निष्काम सेवा करना और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करना। आध्यात्मिक मार्ग पर ध्यान-अभ्यास में सफलता अपने मन को स्थिर करके अंतर में ध्यान टिकाने पर निर्भर है। हमारे ध्यान-अभ्यास में जो सबसे बड़ी बाधा है।

शुभ कार्य तत्काल करो

संकलित

प्रेरणा

कोई स्त्री अपने पिता के यहां से लौटी थी, अपने पति से कह रही थी -'मेरा भाई विरक्त हो गया है। वह अगली दीवाली पर दीक्षा लेकर साधु होने वाला है। अभी से उसने तैयारी प्रारंभ कर दी है। वह अपनी संपत्ति की उचित व्यवस्था करने में लगा है।' पत्नी की बात सुनकर पति मुस्कुराया। स्त्री ने पूछा-'तुम हँसे क्यों ? हँसने की क्या बात थी।!' पति बोला-'और तो सब ठीक है, किंतु तुम्हारे भाई का वैराग्य मुझे बहुत अद्भुत लगा। वैराग्य हो गया है दीक्षा लेने की तिथि अभी निश्चित हुई है और वह संपत्ति की उचित व्यवस्था में लगा है।'! भौतिक संपत्ति में बुद्धि और इस उत्तम काम में भी इतनी दूर की योजना! इस प्रकार की तैयारी करके त्याग नहीं हुआ करता। त्याग तो सहज ही हुआ करता है। स्त्री को बुरा लगा वह बोली -'ऐसे ज्ञानी हो तो तुम्हीं क्यों कुछ कर नहीं दिखाते।' 'मैं तो तुम्हारी अनुमति की ही प्रतीक्षा में था।' पुरुष ने वस्त्र उतार दिए और एक धोती मात्र पहने घर से निकल पड़ा। स्त्री ने समझा कि यह परिहास है। थोड़ी देर में उसका पति लौट आवेगा, परंतु वह तो लौटने के लिए गया ही नहीं था। सच है वैराग्य के लिए कोई तिथि नहीं सोची जाती। वैराग्य के लिए मन, कर्म और अपने विचार अपने नियंत्रण में होना जरूरी है। तभी हम वैराग्य के बारे में कल्पना कर सकते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

जैविक खेती को बढ़ावा मिले

फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक से कृषि करना जरूरी है, क्योंकि इससे किसानों को ज्यादा फायदा हो सकता है। हमारे देश का किसान अब आधुनिक तकनीक से कृषि करने भी लगा है। लेकिन अगर विज्ञान का उचित प्रयोग किया जाए तो यह प्राणी जाति के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है, और अनुचित प्रयोग अभिशाप भी बन जाता है। कुछ किसान अपनी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी दवाइयों, खादों का प्रयोग करते हैं, जो उनकी फसलों पर विपरीत असर डालता है। फल-सब्जियों की पैदावार या इनकी संभाल करने के लिए भी जो रासायनिक खादों और अन्य कैमिकल का प्रयोग किया जा रहा है, वह भी शरीर के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक है। इसलिए जैविक खेती को बढ़ावा देने की सख्त जरूरत है।

- राजेश सोनी, भाटापारा

ट्रेंड

भारत-नेपाल रेल संपर्क

भारत और नेपाल के बीच विनिमय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, इससे दोनों देशों के बीच रेल व्यापार संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। नेपाल के उद्योग, वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्री अनिल कुमार सिन्हा के साथ मेरी द्विपक्षीय बैठक के बाद इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

- पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

टीबी मुक्त भारत अभियान

टीबी मुक्त भारत अभियान के माध्यम से, हमारा देश शीघ्र पहचान, आधुनिक निदान और सामुदायिक भागीदारी में नए मानक स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार भी टीबी उन्मूलन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

ईवी बस सेवा

दिल्ली से सोनीपत तक नई अंतरराज्यीय बस सेवाओं की शुरुआत हमारे जन-सुविधा के संकल्प को और मजबूत बनाती है। ये आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल ईवी बसें राजधानी और हरियाणा के बीच यात्रा को और अधिक सहज, तेज और भरोसेमंद बनाएंगी।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

नवीकरणीय ऊर्जा

कल्पना कीजिए कि आपके पास 6-लेन का राजमार्ग है, जिसका एक हिस्सा केवल दो लेन का है। वहां ट्रैफिक जाम होगा, राजमार्ग पर गति का लाभ खो जाएगा। नवीकरणीय ऊर्जा के मामले में यही हो रहा है।

- अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

लंदन में भारतीय रेस्तरां को बचाने ब्रिटिश शेफ आगे आएं

ब्रिटेन के कुछ प्रमुख खानसामा बृहस्पतिवार को लंदन के सबसे पुराने भारतीय रेस्तरां में से एक 'वीरास्वामी' को बचाने की मुहिम में शामिल हुए। इस रेस्तरां के पट्टे को लेकर गतिरोध पैदा हो गया है जिससे रीजेंट स्ट्रीट से इसे हटाए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। 'द टाइम्स' में प्रकाशित एक खुले पत्र में, साइरस टोडीवाला, रेमंड ब्लैंक और मिशेल रूक्स जैसे जाने-माने शेफ और रेस्तरां मालिकों ने विक्ट्री हाउस के मालिक क्राउन एस्टेट से अपील की है कि वह 'जिम्मेदारी से काम करें'। विक्ट्री हाउस में अप्रैल 1926 से लगभग 100 वर्षों से यह रेस्तरां स्थित है। गत गर्मियों में, 'वीरास्वामी' के मालिक एमडब्ल्यू ईट को सूचित किया

ऑफ बीट

मस्तिष्क की अवस्थाएं और तरंगें क्या होती हैं ?

हमारे सभी सरल और जटिल व्यवहार, साथ ही हमारी अनुभूति (विचार) का आधार मस्तिष्क गतिविधि, या 'तंत्रिका गतिविधि' है। न्यूरॉन्स - मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाएं - विद्युत आवेगों और 'न्यूरोट्रांसमीटर' नामक रासायनिक संकेतों के अनुक्रम द्वारा संचार करती हैं। न्यूरॉन्स रक्त से मिलने वाले ईंधन के लिए बहुत लालची होते हैं और उन्हें साथी कोशिकाओं से बहुत अधिक समर्थन की आवश्यकता होती है। इसलिए, मस्तिष्क गतिविधि की साइट, मात्रा और समय का अधिकांश माप विद्युत गतिविधि, न्यूरोट्रांसमीटर स्तर या रक्त प्रवाह को मापने के माध्यम से किया जाता है।

संक्षेप

बिहार चुनाव में एनडीए की जीत

कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े, जिलाध्यक्ष बोले- यह बिहार की जनता की जीत

सुलतानपुर, बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद सुल्तानपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकताओं ने जश्न मनाया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी के नेतृत्व में शहर के तिकोनिया पार्क में कार्यकताओं ने पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। इस अवसर पर वरिष्ठ नेताओं का माला पहनाकर स्वागत किया गया। बिहार चुनाव परिणामों को लेकर कार्यकताओं में खासा उत्साह देखा गया। जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने इस जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि यह बिहार की जनता की जीत है, जिसने 'जंगलराज' को दोबारा आने से रोकने के लिए कमल के फूल और सहयोगी दलों को चुना। सुशील त्रिपाठी ने 'वोट चोरी' के आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, लगातार वोट चोरी के इल्जाम लगाए जा रहे थे, लेकिन जनता ने इतनी बड़ी जीत देकर उन आरोपों पर लगाम लगाने का काम किया है।

सुलतानपुर से 54 आपदा मित्र लखनऊ रवाना

12 दिवसीय प्रशिक्षण में बाढ़-भूकंप जैसी आपदाओं से निपटने के सीखेंगे तरीके

सुलतानपुर, आपदा प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। 'आपदा मित्र' परियोजना के तहत चयनित 54 स्वयंसेवकों को 12 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण के लिए राज्य आपदा मोचन बल मुख्यालय, लखनऊ रवाना किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर से अपर जिलाधिकारी (वि/रा) राकेश सिंह ने दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित टीम का होना किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण जनपद में आपदा जोखिम प्रबंधन को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह प्रशिक्षण उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

सुलतानपुर से 54 आपदा मित्र लखनऊ रवाना

12 दिवसीय प्रशिक्षण में बाढ़-भूकंप जैसी आपदाओं से निपटने के सीखेंगे तरीके

सुलतानपुर, आपदा प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। 'आपदा मित्र' परियोजना के तहत चयनित 54 स्वयंसेवकों को 12 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण के लिए राज्य आपदा मोचन बल मुख्यालय, लखनऊ रवाना किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर से अपर जिलाधिकारी (वि/रा) राकेश सिंह ने दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित टीम का होना किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण जनपद में आपदा जोखिम प्रबंधन को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह प्रशिक्षण उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

योगीराज हंडिया बाबा मेला में छह सौ लोगों के आंख कान का हुआ परीक्षण

निःशुल्क चिकित्सा कैंप का मेलार्थियों को मिला लाभ

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा/मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। पडोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के बाँके जिला नेपालगंज स्थित श्री 1008 योगीराज हडिया बाबा आश्रम में धार्मिक मेला में सहभागी होने के लिये आये हुए छह सौ सैंतालीस लोग व साधु, सन्त, महंतों का निःशुल्क रूप में आँख तथा कान परीक्षण किया गया। योगीराज हडियाबाबा का 60 वीं पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर मन्दिर में कार्तिक २१ गते (कातिक पूर्णिमा) से 6 दिन तक हडियाबाबा आश्रम में धार्मिक मेला हुआ था। उसी अवसर पर एक दिन के लिये निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालक किया गया था। नेपालगंज उपझ्महानगरपालिका वार्ड नं. 6 फुलटेकरा में रही गौरव स्मृति तथा वियोर सेल्फ फाउण्डेशन के मुख्य आयोजन, नेत्र ज्योति सँघ बाँके फत्तेबाल आँखा अस्पताल और ब्रिनोज कान स्वास्थ्य सामुदायिक सेवा के सहझआयोजन में एक दिन की निःशुल्क शिविर का आयोजन हुआ था। मेला में नेपाल के बाँके, बर्दिया, दांग, कैलाली लगायत पडोसी मित्र राष्ट्र भारत से भी साधु-संन्यासी, महत्म निःशुल्क आँख तथा कान शिविर में परीक्षण किया गया है। गौरव स्मृति तथा वियोर सेल्फ फाउण्डेशन नेपालगंज के संरक्षक प्रदीप शाह के अनुसार 3 सौ 48 लोग का आँख परीक्षण किया गया था जिस में 35 लोगों को आँख का आप्रेशन के लिये नेत्र ज्योति सँघ बाँके फत्तेबाल आँखा अस्पताल फुलटेकरा में रिफर किया गया और इसी तरह 2 सौ 98 लोगों का कान परीक्षण किया गया था जिसमें 18 लोगों का आपरेशन ब्रिनोज कान स्वास्थ्य सामुदायिक सेवा में फुलटेकरा, नेपालगंज में रिफर किया गया। शिविर में बाँके जिला के जानकी गाँव पालिका वार्ड नं.5, गुरुवा गाँव के एक 85 बर्षीय महन्त बाबा का दोनों आँख में समस्या दिखाई पडी तुरन्त निःशुल्क आप्रेशन के लिये रेफर किया गया गौरव स्मृति तथा वियोर सेल्फ फाउण्डेशन नेपालगन्ज के संरक्षक प्रदीप शाह ने यह जानकारी दी। उन्हों ने मेला में आये साधु, सन्त, महन्तों में आँख और कान में समस्या के लिये निःशुल्क दवाई वितरण किया। मेला मे चिकित्सकों ने बताया कि अधिक उमर के कारण साफ सफाई में ध्यान कम देने से और खानपान में भी कमी होने के कारण से यह समस्या आई है बताया। उन्होंने यह भी बताया कि आपरेशन में करीब 20 से 30 हजार रुपया तक खर्च होता लेकिन इस शिविर में सब कुछ निःशुल्क रहा। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में स्मृति तथा वियोर सेल्फ फाउण्डेशन के संरक्षक प्रदीप शाह, अध्यक्ष मधु शाह, उपाध्यक्ष करण शाह, कोषाध्यक्ष बिजय कोरी, शिवम् शाह, पासकल बिष्ट, मुन्सी हज्जाम, अरबिन्द पाल, अनिता बस्नेत, शिवम् गुप्ता, कर्ण यादव लगायत की उपस्थित रही थी। वह प्राविधिकों में फत्तेबाल आँखा अस्पताल की ओर से प्राप्ती चौधरी, शान्ति शर्मा, सानिया रहिस सिद्दीकी, बिनोद अधिकारी, कृष्ण चौधरी, कृतिका चौधरी, सबिता चौधरी, श्रबिका भुजेल और ब्रिनोज कान स्वास्थ्य सामुदायिक सेवा की ओर दामोदर चौधरी, दिल बहादुर थापा, निकिता बोहरा लगायत लोगों ने प्राविधिक सहयोग किया था।

भारत नेपाल रुपईडीहा बॉर्डर का कप्तान ने किया निरीक्षण

सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, दिये निर्देश

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल अंतराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक बहराइच राम नयन सिंह ने शनिवार को रुपईडीहा बॉर्डर का निरीक्षण दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीमा पर तैनात पुलिस बल, एसएसबी जवानों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक कर वर्तमान सुरक्षा स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एसपी ने बॉर्डर गेट, इमिग्रेशन पॉइंट, सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष, जांच प्वाइंट और चेकिंग प्रक्रिया को विस्तार से परखा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि गश्त बढ़ाई जाए, पेट्रोलिंग टीमों को सक्रिय रखा जाए और रात के समय निगरानी को और मजबूत किया जाए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक को सीमा पर तैनाती, गश्त व्यवस्था, हालिया पकड़ी गई संदिग्ध गतिविधियों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई।

राजकीय हाईस्कूल पुरैना रघुनाथपुर में करियर मेले का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र के अंतर्गत पुरैना रघुनाथपुर में स्थित राजकीय हाई स्कूल में करियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया। मेले में एसएसबी के कप्तान पलाश लथूरा व उनकी टीम तथा मोतीपुर के उप निरीक्षक शैलेश कुमार सिंह महिला सिपाही लवली सिंह व उनकी टीम ने बच्चों को करियर से संबंधित जानकारी दी तथा बच्चों द्वारा पूछे गए सवाल का भी विस्तार पूर्वक जवाब दिया। प्रधानाध्यापिका सुश्री सुमन ने बताया कि बच्चों को करियर बनाने में आसानी हो इसके लिए सरकार के निदेर्शानुसार कैरियर मेले का आयोजन राजकीय स्कूलों में किया जा रहा इसी के अंतर्गत हमारे विद्यालय में भी आयोजन हुआ जिसमें बच्चों को करियर से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यक्रम की नोडल शिक्षिका निशु मलिक ने बच्चों को बताया कि उन्हें जिस भी क्षेत्र में करियर बनाना है उसी हिसाब से पढ़ाई करें। इस मौके पर शिक्षिका श्रीमती आरती, सुश्री रिंकी सहित विद्यार्थी और उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे।

रुपईडीहा अंतरराष्ट्रीय लैंड पोर्ट पर शुल्क बढ़ोतरी से एजेंट, ट्रेडर और ड्राइवरों में आक्रोश, व्यापार ठप होने की आशंका

प्रशासन सतर्क, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, व्यापारियों ने सुविधाओं में सुधार और शुल्क वापसी की मांग की

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

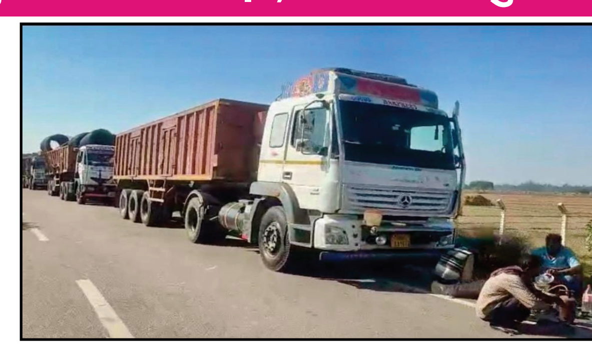

रुपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमा से जुड़े रुपईडीहा लैंड पोर्ट पर वजन, पार्किंग और स्टोरेज शुल्क में बढ़ोतरी के बाद ट्रेडर, ट्रांसपोर्ट एजेंट और ड्राइवरों में नाराजगी बढ़ गई है। लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी नवीनीकृत शुल्कों के विरोध में किसी भी समय हड़ताल या विरोध प्रदर्शन की संभावना जताई जा रही है। संभावित तनाव को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी कर सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। 16 नवंबर को जारी प्रशासनिक पत्र में स्पष्ट किया गया है कि एलपीएआई द्वारा 15 नवंबर से लागू किए गए संशोधित शुल्क सीमा के कारण विरोध की आशंका हैं। दिल्ली मुख्यालय से प्राप्त सर्कुलर के बाद लागू हुए इन शुल्कों के विरोध में व्यापार बंद, धरना या प्रदर्शन की आशंका जताई गई है। पत्र में संबंधित पुलिस अधिकारियों और क्षेत्रीय एडमिनिस्ट्रेशन को व्यापार और आवागमन बाधित न होने देने तथा सुरक्षा बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। कस्टम हाउस एजेंट हसीब अहमद सहित कई ट्रेडरों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर शुल्क बढ़ोतरी और लैंड पोर्ट की अव्यवस्थित व्यवस्थाओं पर गंभीर आपत्ति जताई है। ज्ञापन के अनुसार इंटरनेशनल सुविधा की स्थिति बेहद खराब है, जिससे माल की क्लियरेंस में घंटों की देरी होती है। नए शुल्कों के चलते ट्रेडरों और ड्राइवरों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। पार्किंग, वजन एवं स्टोरेज शुल्क की व्यवस्था अव्यवस्थित, जिससे रोजाना विवाद की स्थिति बनती है। माल के प्रवेश निकास के लिए 24 घंटे सुविधा उपलब्ध नहीं, जिससे व्यापार बाधित होता है। स्थानांतरण, जीएसटी और अन्य परिचालन खर्च बढ़ने से व्यापारियों पर विपरीत असर पड़ा है। अन्य इंटरनेशनल चेकपोस्ट्स आईसीपी पर कम शुल्क और बेहतर सुविधाएं होने के कारण व्यापारी अन्य स्थानों की ओर पलायन कर सकते हैं। ज्ञापनदाताओं ने कहा है कि यदि व्यवस्था में तत्काल सुधार नहीं हुआ तो सीमा व्यापार पूरी तरह रुक सकता है, जिससे सरकारी राजस्व और स्थानीय रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बढ़े हुए शुल्कों को लेकर ज्ञानदाताओं में गहरी नाराजगी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि विरोध तेज हुआ, तो इसका सीधा असर सीमा पार ट्रांजिट, माल की क्लियरेंस, दैनिक व्यापारिक गतिविधियों और सरकारी राजस्व पर पड़ सकता है। आईसीपी प्रशासन ने स्थिति पर निकट निगरानी रखने, सुरक्षा बढ़ाने और व्यापार सुचारू रखने के आदेश जारी किए हैं। दूसरी ओर ज्ञापनदाता सुविधा सुधार, शुल्क वापसी और व्यवस्थागत सुधार की मांग पर अडिग हैं। रुपईडीहा आईसीपी पर शुल्क बढ़ोतरी ने सीमा व्यापार को संकट की स्थिति में ला खड़ा किया है। आईसीपी प्रशासन समाधान की दिशा में प्रयासरत है, जबकि ज्ञापनदाता तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाने की मांग कर रहे हैं। यदि विवाद लंबा खिंचा, तो भारत नेपाल सीमा पर व्यापार की रफ्तार थम सकती है।

लेखपाल की दबंगई डीएम ने लगाई फटकार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लेखपाल ने ग्रामीणों को पीटने और जान से मारने की धमकी दी। उसने कहा- मैं जहां से चाहूंगा, वहां से नाली बनेगी। नहीं तो गर्दन उतार दूंगा। जब लोग धमकी देने का वीडियो बनाने लगे तो उन्हें गालियां भी दीं। घटना का वीडियो भी सामने आया है। ग्रामीणों की शिकायत पर पुलिस ने लेखपाल के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की। इसके बाद लेखपाल पुलिस की शिकायत करने ऊट के पास पहुंचा। डीएम गौरांग राठी ने लेखपाल की बात सुनी। लेकिन जब उसका वीडियो देखे तो वह भी गुस्सा हो गए। उन्होंने उल्टा लेखपाल को ही फटकार लगाई और कार्रवाई की चेतावनी दी। मामला 8 नवंबर का है, जिसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। बीघापुर थाना क्षेत्र के बेहटा गोपी गांव में लेखपाल विनय चौरसिया रहते हैं। उनकी तैनाती इन दिनों सीतापुर में है। बीते 8 नवंबर को वो छुट्टी पर घर आए थे। उस समय गांव में सरकारी नाली का निर्माण चल रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बन रही नाली निर्माण को लेकर उन्होंने विरोध जताया। लेखपाल का कहना था कि नाली मेरे घर के पास से नहीं निकलेगी।

जबकि ग्रामीणों का कहना था कि नाली सभी के घर के पास से निकलेगी। इसी बात पर लेखपाल की ग्रामीणों से बहस हो गई। इस दौरान लेखपाल और 20-25 ग्रामीणों में विवाद हो गया। लेखपाल लोगों को जातिसूचक गालियां देते और गर्दन काटने की धमकी देते नजर आए। 1 मिनट 47 सेकेंड के वीडियो में ग्रामीण ये कहते नजर आए कि लेखपाल अपने हिसाब से नाली बनवाना चाहते हैं। लोग दबंगई दिखाने पर लेखपाल का विरोध करते दिखे। मामले में पुलिस ने ग्रामीणों की शिकायत पर लेखपाल के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की थी। शनिवार को तहसील दिवस पर डीएम गौरांग राठी के पास लेखपाल पुलिस कार्रवाई का विरोध करने पहुंच गए। डीएम ने गाली गलौज वाला वीडियो देखने के बाद लेखपाल को ही फटकार लगाई। मामले की जांच के आदेश दिए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, लेखपाल विनीत चौरसिया को पहले रिश्वतखोरी के आरोपों के चलते बीघापुर तहसील से सीतापुर ट्रांसफर किया गया था। इसके बावजूद उनके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल निलंबन और मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। बीघापुर थानाध्यक्ष राजपाल ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। शांति भंग की कार्रवाई की जा चुकी है। इसके बाद भी कोई शिकायत आती है तो मुकदमा लिखा जाएगा।

पशुचर भूमि पर अवैध कब्जे की डीएम से शिकायत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर तहसील क्षेत्र के राजस्व गांव पडरी कलां स्थित पटनहन खेड़ा में पशुचर भूमि को अराजक तत्वों द्वारा अवैध रूप से काबिज कर लेने के आरोप में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायती पत्र में बताया कि पटनहनखेड़ा मजरा पडरीकला के मुकेश रावत ने बताया कि पटनहन खेड़ा की गाटा संख्या 4225 गोचर भूमि है। जो उक्त मौजा एवं आसपास के गांव के पशुधन चरागाह के लिए पूर्व से ही व्यवहार करते थे। वर्तमान में उक्त भूमि पशुओं के चरागाह हेतु उपयुक्त नहीं रहा और पशुओं को भोजन की समस्या उत्पन्न हो गई है। गोचर भूमि ना तो पट्टा पर दिया जा सकता है ना उसका व्यक्तिगत निजि उपयोग या व्यवहार किया जा सकता है, न उसकी प्रकृति में परिवर्तन किया जायेगा। परंतु भूमि को गांव के बाबू मियां पुत्र रज्जाक ने अराजक तत्वों की सहायता से उक्त गोचर भूमि को जोर जबरदस्ती अवैध रूप से कब्जा दखल कर घेरा बंदी कर लिया है। जिससे उक्त गोचर भूमि की वास्तविक प्रकृति नष्ट करने का षडयंत्र किया जा रहा है। ऐसा करने से आसपास के पशुधन को भोजन की समस्या उत्पन्न हो गई है। जिलाधिकारी को बताया कि उक्त व्यक्तियों को जोर जबरदस्ती अवैध रूप से उक्त भूमि को दखल कब्जा करने से मना करने पर मारपीट करने में उतारू हो जाता है। निर्माण कार्य को पीआरवी पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद भी निर्माण कार्य रात के अंधेरे में जारी है। डीएम द्वारा जांच कराकर कार्रवाई किये जाने की बात कही गयी है।

डीएम द्वारा गठित टीम द्वारा हो चतुर्थ श्रेणी संविदा कर्मियों की नियुक्तिः बलराम पाठक

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। प्रदेश में सेवा प्रदाता के माध्यम से की जा रही भर्तियों को बंद करने तथा बिना सेवा प्रदाता के माध्यम से भर्ती करने की मांग जनपद में बढ़ रही है। कई लोगों ने तो मुख्यमंत्री सहित जिलाधिकारी और सांसद को पत्र लिखकर सेवा प्रदाता कंपनी की भर्ती पर रोक करने तथा डीएम स्तर और विभाग स्तर पर भर्ती करने की मांग की है। मानव गौ सेवा ट्रस्ट रजि के प्रदेश अध्यक्ष समाजसेवी बलराम पाठक ने उत्तर प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं बहराइच सांसद डा आनंद गोड़ से पत्र लिखकर गुहार लगाई है कि गरीब बेरोजगार अभ्यर्थियों की संविदा पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति जिला अधिकारी द्वारा गठित समिति द्वारा की जाये जिससे उनका आर्थिक एवं मानसिक शोषण न हो। उन्होंने पत्र में कहा है कि अभ्यर्थियों ने उन्हें बताया है कि आउट सोर्सिंग कम्पनी लाखों रुपए लेकर भर्ती करती है जब तब निकाल भी देती है तथा वेतन भी कम देती मनमानी करती है जिससे अभ्यर्थियों का आर्थिक एवं मानसिक दोनों तरह से ये कम्पनियां शोषण कर रही हैं। यदि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती जिला स्तर जिला अधिकारी द्वारा गठित टीम से होगी तो अभ्यर्थियों का शोषण भी रुकेगा तथा उनका भविष्य भी उज्ज्वल होगा और उनका परिवार भुखमरी से बचेगा यही अभ्यर्थियों के साथ न्याय संगत होगा। आपको बताते चले कि बलराम पाठक के साथ ही जनपद के तमाम वरिष्ठ जनों और समाजसेवियों ने जनपद में चल रही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती जो एक सेवा प्रदाता के माध्यम से चल रही है उसमें गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष भर्ती करने की मांग की है।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

कबड्डी में हथकिला, दौड़ में आराध्या ने जीता प्रथम स्थान

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, ब्लॉक स्तरीय परिषदीय विद्यालयों की वार्षिक खेल प्रतियोगिता जूनियर हाईस्कूल कोरारी गिरधरशाह के खेल मैदान में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में हथकिला की टीम ने कबड्डी में जीत हासिल की, जबकि रामदयपुर न्याय पंचायत की आराध्या ने प्राथमिक स्तर की दौड़ प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयोजित इस प्रतियोगिता में ताला, कोरारी, खेरौना, रामगढ़, रामदयपुर और नरैनी सहित सभी छह न्याय पंचायतों की टीमों ने भाग लिया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ समाज में एकजुटता और भाईचारे का संदेश देते हैं। खंड शिक्षा अधिकारी पूजा चौहान ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्राथमिक स्तर की 200 मीटर बालिका प्रतिस्पर्धा में रामदयपुर न्याय पंचायत की आराध्या ने पहला स्थान प्राप्त किया। इसी तरह, 400 मीटर बालक वर्ग की प्राथमिक स्तर की दौड़ में रामदयपुर न्याय पंचायत के प्रशांत ने प्रथम स्थान हासिल किया। आराध्या ने 400 मीटर बालिका प्राथमिक स्तर की दौड़ में भी पहला स्थान प्राप्त किया। उच्च प्राथमिक स्तर बालिका संवर्ग में कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब कंपोजिट विद्यालय हथकिला की टीम ने जीता। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी श्री हरिओम तिवारी, नोडल संकुल शिक्षक राकेश, विनोद, सलिल, रमाकांत, संतोष, सत्य प्रकाश, रामदेव पांडेय, कमलेश, पूर्व अध्यक्ष अविनाश, सुधा, साधना, शैलेंद्र प्रताप, रामबरन, नीरज, नूतन, एसआरजी अमिता, यशस्वी, उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की जिला उपाध्यक्ष मीरा गुप्ता, अवधेश प्रताप सिंह, मो. तहसीन, कमलेश गुप्ता, लीलावती, मंजूलता, सीमा, रश्मि सिन्हा और हौसिला प्रसाद सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लेखपाल संघ ने मनाया स्थापना दिवस

वरिष्ठ लेखपाल सम्मानित, जिलाध्यक्ष ने पदोन्नति व भत्तों में वृद्धि की मांग की

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, तहसील सदर परिसर में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने अपना स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर जिलेभर से आए लेखपालों ने संगठन की एकजुटता और सेवा भाव को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष सुनील सिंह ने की। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की स्थापना 1962 को हुई थी। इस दौरान संस्थापक स्वर्गीय मुरारी लाल शर्मा को याद किया गया। जिलाध्यक्ष राधेश्याम शुक्ल सहित सभी तहसीलों के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। सुनील सिंह ने कार्यक्रम में लेखपालों के सामने आ रही समस्याओं और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने लेखपालों की घटती संख्या और फील्ड में बढ़ती आधुनिक चुनौतियों का विशेष रूप से उल्लेख किया। संघ ने सरकार से अपनी विभिन्न मांगों पर भी चर्चा की, जिनमें वेतन उच्चीकरण, वेतन विसंगति दूर करना, पदोन्नति, अंतर-मंडलीय स्थानांतरण और भत्तों में वृद्धि शामिल हैं। इन मांगों को ज्ञापन के माध्यम से शासन तक पहुंचाया गया है। लेखपाल संघ ने घोषणा की कि वे तहसील समाधान दिवस में बहिष्कार के बजाय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक धरना देंगे। इस धरने में पूर्व में दिए गए ज्ञापन में उल्लिखित मांगों को दोहराया जाएगा।

बेकाबू कार पेड़ से टकराई, 2 की मौत

इन्हौना-अहोरवा भवानी मार्ग पर हादसा, दो घायल, लखनऊ रेफर

अमन लेखनी समाचार

अमेठी, इन्हौना-अहोरवा भवानी मार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, कठौरा, थाना कमरौली, अमेठी निवासी नोती दुबे के परिवार के चार सदस्य एक मारुति ईको गाड़ी से श्यामपुर महराजगंज स्थित लड़की के घर से लौट रहे थे। इन्हौना-अहोरवा भवानी रोड पर नाला से पहले वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में रगबहादुर (लगभग 70 वर्ष) पुत्र गंगा प्रसाद और उनके पुत्र विनय कुमार बब्लू (लगभग 35 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। वहीं, राहुल (लगभग 30 वर्ष) पुत्र धनश्याम और अमर बहादुर (लगभग 45 वर्ष) पुत्र गंगा प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों को पीजीआई लखनऊ रेफर कर दिया। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया वाहन का नियंत्रण बिगड़ने से यह दुर्घटना हुई है। हालांकि, जांच के बाद ही दुर्घटना का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

संक्षेप

रकफ में गड़बड़ी करने पर 11 बीएलओ सस्पेंड

गणना पत्रक एआरओ तक नहीं पहुंचे, जांच में गैर हाजिर मिले, मुकदमा दर्ज होगा

मेरठ, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में लापरवाही बरतने पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह ने 11 बीएलओ को निलंबित कर उनके खिलाफ केस दर्ज कराने की संस्तुति भेजी। ये बीएलओ गणना पत्रक सहायक निर्वाचन अधिकारी (एआरओ) तक नहीं पहुंचा पाए थे और जांच के दौरान अनुपस्थित मिले। विधानसभावार मतदाता पुनरीक्षण कार्य 4 नवंबर से चल रहा है। जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ को गणना पत्रक वितरित कर 16 नवंबर तक एआरओ को रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए थे। जिले में कुल 2925 बीएलओ नियुक्त किए गए हैं। समीक्षा बैठक में मेरठ दक्षिण, हस्तिनापुर और किठौर विधानसभा क्षेत्रों के 11 बीएलओ गैरहाजिर पाए गए। इनमें मेरठ दक्षिण के नीरज, बबीता कटियार, ललित स्टीफन और मदन मुरारी; हस्तिनापुर के शमा परवीन, पंकज रानी, सैय्यदा रूबीना अली और देवेंद्र कुमार; तथा किठौर के स्वाति, आसमीन और रितु नागर शामिल हैं। इसके अलावा दो सहायक अध्यापकों और एक शिक्षामित्र का वेतन भी रोकने के आदेश दिए गए हैं। निलंबन की जानकारी मिलते ही कई बीएलओ अधिकारियों के दफ्तर पहुंचे और अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। हस्तिनापुर क्षेत्र में भी कई बीएलओ की लापरवाही सामने आई है। एसडीएम मवाना संतोष कुमार सिंह ने बताया कि बार-बार चेतावनी के बावजूद अलका कुमारी, देवेंद्र कुमार, सुभाष, कमला, मंजू रानी, शमा परवीन और माधवी रस्तोगी जैसे बीएलओ पुनरीक्षण कार्य में गंभीर नहीं थे। इन सभी के खिलाफ रिपोर्ट जिला निर्वाचन अधिकारी को भेज दी गई है। एसडीएम सदर डॉ. दीक्षा जोशी ने बताया कि मेरठ दक्षिण के दो बीएलओ ललित स्टीफन और मदन मुरारी ने संपर्क कर उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि बबीता कटियार ने खुद को अस्पताल में भर्ती बताया।

महोत्सव के पंचम दिवस पहुंचे काशी मठ पीठ के शंकराचार्य

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर। जनपद के जहानाबाद क्षेत्र अंतर्गत बम्थरा गांव में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ गया भोज महोत्सव अंतर्गत पंचम दिवस देश के काशीमठ पीठ के जगतगुरु शंकराचार्य नरेंद्रानाथ सरस्वती का आगमन हुआ यह सूचना जैसे ही क्षेत्र वासियों को लगी तो हजारों की संख्या में दर्शन हेतु भक्तगणों की भीड़ जुट गई जगद्गुरु शंकराचार्य के गांव पहुंचने पर कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक पूर्व शिक्षक विधायक लवकुश कुमार मिश्र धर्मपत्नी पुष्पा मिश्रा ने चरण पखार कर सिंहासन पर विराजमान किया वही वेद मंत्रों के साथ भगवान शंकराचार्य का पूजन वैदिक ब्राह्मणों द्वारा संपन्न कराया गया पूर्व विधायक ने माल्यार्पण अंग वस्त्र के साथ-साथ प्रतीक चिन्ह देकर जगतगुरु शंकराचार्य से

आशीर्वाद प्राप्त किया वही क्षेत्र के अन्य लोग भी जगद्गुरु शंकराचार्य समेत मंच पर विराजमान कथा व्यास आचार्य राघव जी महाराज को माल्यार्पण प्रतीक चिन्ह भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त करते रहे जगतगुरु शंकराचार्य ने अपने संबोधन में सनातन सभ्यता तथा सनातन धर्म के उत्थान हेतु समूचे जनमानस को प्रेरणा दी उन्होंने अपने संबोधन में मौजूदा भक्तगणों से कहा कि हम सभी भारतवासी एकजुट तथा जाति पाति से दूर हटकर एक सनातन धर्म के मार्ग पर चलते हुए वह कार्य करें जिससे हमारे देश का उत्थान हो वही श्रीमद् भागवत कथा अंतर्गत प्रयागराज से पधारे कथा व्यास आचार्य राघव जी महाराज ने पंचम दिवस की कथा में भक्तों को भगवान श्री कृष्ण द्वारा पूतना राक्षसी का वध समेत माखन चोरी वृंदावन गमन लीला चीर हरण ऊखल बंधन तथा गोवर्धन धारण करने इत्यादि की कथाएं श्रवण कराई शाम समय भगवान गोवर्धन का पूजन हुआ जहां महा आरती के पश्चात सभी भक्तों ने महाप्रसाद को ग्रहण किया।

सोल स्ट्रोक्स नेशनल ग्रुप आर्ट एग्ज़िबिशन का हुआ भव्य समापन

अमन लेखनी समाचार

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई जयंती के अवसर पर आयोजित सोल स्ट्रोक्स नेशनल ग्रुप आर्ट एग्ज़िबिशनह्व का रविवार को राजकीय संग्रहालय में भव्य समापन हुआ। मणिकर्णिका आर्ट गैलरी द्वारा आयोजित दो-दिवसीय प्रदर्शनी कला-प्रेमियों, युवाओं और वरिष्ठ कलाकारों के लिए प्रेरणादायक रही। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी रामतीरथ सिंघल तथा नरेश चंद्र अग्रवाल (प्रदेश महामंत्री, संस्कार भारती) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ स्कल्पचर ई. जगदीश लाल, वरिष्ठ चित्रकार किशन सोनी और डॉ. अजय कुमार गुप्ता शामिल हुए। अतिथियों ने कलाकारों की रचनात्मकता, विषय-वस्तु और रंग-संयोजन की सराहना की। अतिथियों ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनियाँ झांसी की

सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के साथ युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करती हैं। कार्यक्रम का संचालन चित्रकार अमर सोनी ने किया। समारोह में भाजपा जिला उपाध्यक्ष अंकुर दीक्षित, संस्कार भारती के संजय राष्ट्रवादी, सहजेंद्र सिंह बघेल सहित अनेक कलाकार, विद्यार्थी और कला-प्रेमी उपस्थित रहे। सभी ने कृतियों का अवलोकन कर कलाकारों से संवाद भी किया। अंत में गैलरी संचालिका कामिनी बघेल ने सभी अतिथियों और कलाकारों का आभार व्यक्त किया। समापन पर प्रतिभागी कलाकारों को मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

बिरसा मुंडा जयंती पर डॉ. संदीप ने किया नमन

उनकी विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना हमारा कर्तव्य-डॉ. संदीप

अमन लेखनी समाचार

झांसी। मां शबरी सहरिया आदिवासी कल्याण समिति द्वारा 15 नवंबर 2025 को महाविद्यालय स्वर्ण जयंती भवन में भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं राष्ट्रीय आदिवासी गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया गया। सैकड़ों आदिवासी बहन-भाइयों की उपस्थिति में कार्यक्रम उत्साहपूर्ण रहा। मुख्य अतिथि संदीप सरावगी ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा स्वतंत्रता, संघर्ष और न्याय के प्रतीक हैं। उन्होंने कम उम्र में आदिवासी समाज को नई दिशा दी। डॉ. संदीप ने युवाओं से अपील की कि वे बिरसा मुंडा की विरासत और आदर्शों को आगे बढ़ाएँ। समिति अध्यक्ष गोपाल सहरिया और अन्य वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा का संघर्ष आदिवासी समाज की पहचान और अधिकारों की रक्षा का प्रतीक है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आदिवासी समाज की गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में भी याद किया गया। कार्यक्रम में दिनेश सहरिया, एडवोकेट संतोष कुमार गौतम सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। अंत में अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त किया।

3 स्कूली बच्चों को पेशाब पिलाई

10 साल का आरोपी बोला- हिंदुओं का टारगेट मिला, बोतल के पानी में मिलाया

अमन लेखनी समाचार

बागपत, सरकारी स्कूल में 3 बच्चों को पानी के साथ पेशाब मिलाकर पिलाई गई। बच्चों ने बदबू आने पर प्रिंसिपल से शिकायत की। जांच में सामने आया कि ये हरकत उसी क्लास में पढ़ने वाले 10 साल के दो बच्चों ने की। बच्चों ने प्रिंसिपल से बताया कि उन्हें ऐसा करने के लिए उकसाया गया। उन्हें हिंदू लड़कों को टारगेट करना था। पीड़ित बच्चों के परिजन स्कूल पहुंच कर हंगामा करने लगे। उनका आरोप है कि पूरी घटना मे एक मौलवी शामिल है। उस पर कार्रवाई की जाए। सूचना पर पुलिस पहुंची ने कार्रवाई का भरोसा देकर परिजनों को शांत कराया। पीड़ितों में भाई-बहन और पड़ोसी बच्ची शामिल है। घटना ढिकोली गांव की है। ढिकोली गांव के प्राथमिक विद्यालय नंबर-2 में 6 और 7 साल के भाई-बहन क्लास एक और दो में पढ़ते हैं। क्लास 2 में पढ़ने वाले बच्चे की बोतल में 3 दिन से पेशाब की बदबू आ रही थी। इस पर उसकी मां ने बच्चे से सवाल किया। बच्चे ने जानकारी न होने की बात कही। पीड़ित बच्चे के पिता ने बताया- हमने बच्चे से बोतल अपने पास रखने और किसी से शेयर न करने के लिए कहा। स्कूल में लंच के समय अचानक बच्चे की बोतल गायब हो गई। वह उसे तलाशते हुए बाथरूम के पास पहुंचा। वहां देखा तो उसकी क्लास में पढ़ने वाले दूसरे समुदाय का बच्चा उसकी बोतल में पेशाब कर रहा था। ये देखते ही उसने बोतल छीनी और प्रिंसिपल युद्धवीर के पास चला गया। प्रिंसिपल ने सभी बच्चों को मैदान में इकट्ठा किया और आरोपियों के परिवार वालों को बुलाया।

इसके बाद बच्चों से उनके सामने ही पूछताछ की गई। आरोपी बच्चों ने बताया कि हम लोग पिछले 4 चार दिन से बोतल में पेशाब कर रहे थे।

श्रुतलेख प्रतियोगिता में बाबूपुर तथा अमौली अव्वल

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के सभी विकास खण्डों में बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशन तथा खंड शिक्षा अधिकारियों के पर्वेक्षण में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की श्रुत लेख प्रतियोगिता संपन्न कराई गई जिसके परिणाम स्वरूप बच्चों ने अंग्रेजी तथा हिंदी विषयों की परीक्षा देकर स्थान प्राप्त किया जनपद के अमौली विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बाबूपुर के छात्र विकास कुमार ने प्राथमिक स्तर पर समूचे विकासखंड में प्रथम स्थान प्राप्त किया वही उच्च प्राथमिक विद्यालय में कंपोजिट विद्यालय अमौली की कक्षा 7 की छात्रा राधिका ने प्रथम स्थान हासिल करते हुए अपने विद्यालय का गौरव बढ़ाया बाबूपुर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सर्वेश कुमार अवस्थी एवं कंपोजिट विद्यालय अमौली की शिक्षिका प्रतिमा उमराव ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बच्चों को हार्दिक शुभकामनाएं दी खंड शिक्षा अधिकारी अमौली श्रवण कुमार पाल ने भी बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए बच्चों के साथ साथ विद्यालय तथा विषय अध्यापकों की सराहना की

आयुक्त ने निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण पर की बैठक

बीएलओ, जनप्रतिनिधियों संग समन्वय, भौतिक सत्यापन के निर्देश

मेरठ, मंडल के आयुक्त और रोल प्रेक्षक भानु चंद्र गोस्वामी ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण पर एक बैठक की। यह बैठक 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर आयोजित की गई थी। इसमें जनप्रतिनिधियों, विभिन्न दलों के अध्यक्षों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयुक्त गोस्वामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बीएलओ, बीएलए और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की जाएं। इसका उद्देश्य पुनरीक्षण अभियान के दौरान स्थानीय स्तर पर आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने मतदाता प्रपत्र वितरण कार्य की नियमित निगरानी और संबंधित अधिकारियों द्वारा भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

किसान एकता संघ की बैठक

- बेरोजगारी, स्थानीय रोजगार के लिए जेवर से जिला मुख्यालय तक पदयात्रा होगी

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा, दनकौर कस्बे में किसान एकता संघ की बैठक हुई। यह बैठक संघ के वरिष्ठ सदस्य शब्बीर खान के आवास पर आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जीतन नागर ने की और संचालन प्रमोद शर्मा ने किया। बैठक का मुख्य एजेंडा जेवर से जिला मुख्यालय तक प्रस्तावित पदयात्रा की रूपरेखा तैयार करना रहा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने बताया कि किसान एकता संघ 22 से 25 नवंबर तक 'किसान-मजदूर अधिकार पैदल यात्रा' निकालेगा। यह यात्रा जेवर से शुरू होकर जिला मुख्यालय तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य किसानों और मजदूरों के अधिकारों के लिए जोरदार

आवाज उठाना है। सोरन प्रधान ने जिले में बढ़ती बेरोजगारी पर चिंता जताई। उनका कहना था कि कंपनियां स्थानीय युवाओं की उपेक्षा कर बाहरी लोगों को प्राथमिकता दे रही हैं, जिससे स्थानीय विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा युवाओं को रोजगार, किसानों की समस्याओं और मजदूरों के अधिकारों को लेकर एक बड़ा जनआंदोलन बनेगी। प्रधान ने क्षेत्र के किसानों, मजदूरों और युवाओं से इस यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

बैठक में बिक्रम नागर, उम्मेद एडवोकेट, जेपी नागर, पप्पे नागर, दुर्गेश शर्मा, अरुण खटाना, राजेंद्र शर्मा, सल्लन पहलवान और सहदेव चोटीवाला सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

गेमिंग ऐप से ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा

पति-पत्नी सहित 8 गिरफ्तार, 3 महीने से फ्लैट में चला रहे थे धोखाधड़ी

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, बिसरख पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप के नाम पर ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पति-पत्नी सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह 'विनबज' नामक ऑनलाइन गेमिंग/बेटिंग ऐप के माध्यम से लोगों को झांसा देकर प्रतिदिन 8 से 10 लाख रुपये तक की ठगी कर रहा था। आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में कूटरचित बैंक पासबुक, चेकबुक, फर्जी एटीएम कार्ड, प्री-एक्टिवेटेड सिम कार्ड, 8 लैपटॉप और 56 मोबाइल फोन सहित अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक समूह फ्लैट में बैठकर लैपटॉप और मोबाइल के जरिए ऑनलाइन गेमिंग के

बहाने धोखाधड़ी कर रहा है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम और फेसबुक पर गेमिंग विज्ञापन चलाकर लोगों को लुभाते थे। उनके नेटवर्क में 'लियो' नामक एक व्यक्ति लिंक उपलब्ध कराता था, जिसके जरिए लोग उनकी फर्जी वेबसाइट पर पहुंचते थे। इसके बाद आरोपी गेम खेलने के लिए पैसे जमा कराने के नाम पर धनराशि लेते थे और उनके अकाउंट में काल्पनिक पॉइंट व करेंसी डालते थे। शुरूआत में छोटी राशि जिताकर यूजर को लालच दिया जाता था, ताकि वह दोबारा और अधिक पैसा लगाए। जैसे ही लोग बड़ी रकम लगाते, ऐप में उन्हें लगातार हारने पर मजबूर किया जाता और उनकी पूरी राशि डूबा दी जाती थी। गिरोह फर्जी आईडी के आधार पर बैंक खाते खुलवाता था। इसके लिए वे दूसरों की आईडी का उपयोग करके फर्जी सिम कार्ड खरीदते थे और फिर उसी सिम पर बैंक खाता खुलवाते थे। इन खातों का उपयोग केवल ठगी की रकम मंगाने और आगे ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। आरोपियों के पास से बरामद सभी सिम कार्ड प्री-एक्टिवेटेड और किसी अन्य के नाम से जारी किए गए मिले हैं। गिरोह एक आईडी पर करीब 3,000 क्लाइंट्स जोड़ लेता था। जिन खातों में 50 हजार रुपये से अधिक जमा हो जाते थे उन्हें तुरंत इनएक्टिव कर दिया जाता ताकि पकड़ में न आएं। पैसे को अलग-अलग खातों में घुमा-फिरा कर वे लियो द्वारा बताये खाते में ट्रांसफर कर देते और एटीएम/डेबिट कार्ड के माध्यम से निकाल लेते।

कस्टम क्लीयरेंस के बहाने 5.56 लाख की ठगी

बेटे के लिए रिश्ता तलाशते तलाशते साइबर ठगों का शिकार बनी बुजुर्ग महिला

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, साइबर ठगों ने कस्टम क्लीयरेंस का झांसा देकर एक बुजुर्ग महिला से 5.56 लाख रुपये की ठगी कर ली। इसका खुलासा तब हुआ, जब बैंक ने महिला के बेटे को इन ट्रांजेक्शन की सूचना दी। महिला की ओर से साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। लालकुर्ती के बेगमबाग में 60 वर्षीय नीलम चौहान रहती हैं। वह अपने बेटे के लिए काफी समय से रिश्ता ढूंढ रही हैं। कुछ दिन पहले उनकी सोशल मीडिया पर कुछ लोगों से मुलाकात हुई। इन्हीं में एक युवती भी शामिल रही, जिससे नीलम चौहान की बातचीत शुरू हो गई। इसी युवती ने नीलम को झांसा दिया और विदेश से उपहार भेजने की बात कहकर क्लीयरेंस के नाम पर रकम हड़प ली। नीलम चौहान उस युवती के मंसूबे भाप नहीं पाई और जाल में फंसती चली गई। एक दिन युवती ने फोन किया कि वह विदेश से कुछ भेज रही है। दो दिन बाद नीलम चौहान पर फिर फोन आया। बताया कि उनका पार्सल कस्टम क्लीयरेंस में पड़ा है। उन्हें कुछ रुपये जमा कराने होंगे, तभी वह छुटेगा। नीलम ने पहली बार में ही रकम जमा करा दी। इसके बाद 22 सितंबर से 17 अक्टूबर के बीच चार बार रकम अलग अलग खातों में जमा कराई गई।

पुलिस ने बैटरी चोर को पकड़ा

इलेक्ट्रिक वाहनों की 10 बैटरी बरामद, चार्जिंग स्टेशन से हुई थी चोरी

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना पुलिस ने बैटरी चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से इलेक्ट्रिक वाहनों की 10 चोरी की बैटरियां बरामद की हैं। इसके साथ ही चोरी में इस्तेमाल किए गए उपकरण जैसे कटर, हथौड़ा, प्लास, पेचकस और वारदात में प्रयुक्त कार भी जब्त की गई है। यह मामला जब पीड़ित अक्षय कुमार ने इंदिरापुरम थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि वसुंधरा के सेक्टर 16अ स्थित एक चार्जिंग स्टेशन से 11 बैटरियां चोरी हो गई हैं। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। जांच के दौरान, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बैटरी चोरी की घटना में शामिल एक संदिग्ध व्यक्ति वसुंधरा

सेक्टर 14 के रूप चौधरी कट के पास मौजूद है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बुलंदशहर निवासी 23 वर्षीय अब्दुल रज्जाक को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी की बैटरियां और वारदात में इस्तेमाल की गई कार बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी अब्दुल रज्जाक ने बताया कि उसने अपने भाई अब्बास और एक अन्य दोस्त के साथ मिलकर 11 नवंबर को चार्जिंग प्वाइंट का शटर तोड़कर बैटरियां चुराई थीं। वे सभी चोरी की बैटरियों को बेचने की फिराक में थे। उसने यह भी बताया कि अब्बास और उसका दोस्त एक बैटरी लेकर खरीदार की तलाश में गए थे, जबकि वह गाड़ी के पास ही मौजूद था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

सिहानीगेट पुलिस ने चोरी का खुलासा किया, आरोपी गिरफ्तार

- 2.20 लाख रुपये बरामद, गाड़ी खरीदने के लिए कर रहा था रेकी

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, सिहानीगेट पुलिस ने एक चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 2 लाख 20 हजार रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। एसीपी उपासना पांडे ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पर पहले भी मुकदमे दर्ज हैं और वह आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। यह मामला 3 नवंबर 2025 की रात का है, जब शांति एंटरप्राइज नामक दुकान से लगभग 12 लाख 80 हजार रुपये चोरी हो गए थे। दुकान मालिक ने सुबह ताला टूटा देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस और सर्विलांस टीम ने इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाली, जिसमें एक युवक दुकान के पास घूमता नजर आया। पुलिस को सूचना मिली कि वही युवक इलाके में फिर दिखाई दिया है। सूचना मिलते ही टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने चोरी की पूरी वारदात स्वीकार कर ली। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह लंबे समय से एक गाड़ी खरीदना चाहता था, लेकिन उसके पास पर्याप्त रकम नहीं थी। इसी वजह से उसने चोरी की योजना बनाई। उसने दुकान से 4 लाख 30 हजार रुपये चोरी करने की बात कबूली है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि चोरी के बाद भी आरोपी सक्रिय था और आरडीसी के एक शोरूम की रेकी कर रहा था। वह वहां से भी चोरी करने की

तैयारी में था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एसीपी उपासना पांडे ने बताया कि आरोपी से बरामद 2 लाख 20 हजार रुपये फिलहाल कब्जे में ले लिए गए हैं। बाकी राशि उसने खर्च कर दी है। पुलिस आरोपी के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

संक्षेप

स्वामी प्रसाद मौर्या को दिखाए काले झण्डे, लगे मुर्दाबाद के नारे

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। एक निजी कार्यक्रम में कस्बे पहुंचे अपनी समाज पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्या को बडे चौराहे पर काले झण्डे दिखाते हुए विरोध प्रदर्शन किया हालांकि पुलिस लगातार युवाओं को हटाने की कोशिश करती रहीअपनी विवादित भाषा के लिए प्रसिद्ध स्वामी मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या एक कार्यक्रम में कस्बे आए थे जिसके चलते नेशनल हाईवे पर स्थित बडे चौराहे पर आशीष सिंह,बसंत सोनी, प्रमोद सोनी,सहित लगभग दो दर्जन युवाओं ने काले झण्डे दिखाते हुए न सिर्फ विरोध जताया बल्कि स्वामी प्रसाद मौर्या मुदार्बाद के नारे भी लगाए। इस दौरान कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह,इंस्पेक्टर क्राईम चंद्र शेखर गौतम सहित पुलिस बल युवाओं को हटाने की कोशिश करते रहे। बताते चलें कि स्वामी प्रसाद मौर्या अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं और हाल ही में बिहार विधानसभा चुनावों के परिणाम को लेकर उन्होंने एक बयान देते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र और संविधान की हत्या है।

करतार सिंह सराभा की पुण्यतिथि पर वर्णिता ने दी श्रृद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। देशभक्तों की देश के प्रति भूमिका के मद्देनजर वर्णिता संस्था के तत्वावधान में विमर्श विविधा के अन्तर्गत जिनका देश ऋणी है के तहत सुमेरपुर कस्बे में करतार सिंह सराभा की पुण्यतिथि पर संस्था के अध्यक्ष डा. भवानीदीन ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि सराभा मातृभूमि के सच्चे सपूत थे। इनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इनका जन्म 24 मई 1896 को लुधियाना पंजाब में मंगलसिह और साहिब कौर के घर हुआ था। बचपन में ही इनके सिर से पिता का साया उठ गया था। ये प्रारम्भ से ही देशसेवी सोच के थे। भारत की आजादी के लिए इन्होंने गदर पार्टी की स्थापना की। किन्तु भेदिये के कारण सारे देश में गोरों के प्रति विद्रोह की योजना सफल न हो सकी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सामाजिक सद्भाव बैठक सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। रविवार को आवास विकास स्थित जे.के. पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा सामाजिक सद्भाव बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अवध प्रांत के प्रांत सह कार्यवाह श्रीमान संजय जी ने उपस्थित होकर मार्गदर्शन दिया। अपने संबोधन में प्रांत सह कार्यवाह संजय जी ने कहा कि ह्लपूरी दुनिया को अंक विज्ञान देने वाला केवल भारत है। कभी विश्वभर के विद्यार्थी भारत में शिक्षा ग्रहण करने आते थे। कपड़ा और मसालों का विशाल निर्यात करने वाला हमारा भारत पुनः वैभवशाली कैसे बने, इसी दिशा में हमें चिंतन करना होगा ह्व उन्होंने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के क्रम में यह सामाजिक सद्भाव बैठक भी महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि व्यापक गृह संपर्क अभियान के तहत 20 दिनों के लिए 318 शताब्दी अल्पकालिक विस्तारक निकाले गए हैं। संजय जी ने यह भी कहा कि ह्लसमाज को सुधारने का दायित्व केवल राजनेताओं का नहीं है। हम सबको एकजुट होकर भारत को मजबूत बनाना होगा। हमारे देश की सभ्यता अनेक दबावों के बावजूद आज भी जीवित है—यह हमारे महापुरुषों के कारण संभव हुआ है ह्व उन्होंने संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर पंच परिवर्तन—समरसता, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण कुटुंब और प्रबोधन—के विषय में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में छुआछूत, लव जिहाद, जातिपात छोड़कर समाज को आगे बढ़ाने के उपाय, तथा गौशालाओं की वर्तमान स्थिति पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में विशेष रूप से महंत महेश पुजारी, जिला प्रचारक अनिल जी, विभाग संघचालक शिवस्वरूप जी, जिला कार्यवाह सचिन जी, सुरेश अग्निहोत्री, विनय जी, अतुल सिंह, गौरव भदौरिया, मुकुल सिंह, आशा सहित अन्य लोग सम्मिलित हुए

महर्षि सुपच सुदर्शन की मनाई गई जयंती

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर ।कुरारा शंकरपुर पारा गांव निवासी छुटकू प्रसाद समुद्रे द्वारा अपने पिता स्व0 विंदा प्रसाद समुद्रे माता माता स्व0 मूर्ति देवी की समाधि स्थल का लोकार्पण एवं महर्षि सुपच सुदर्शन जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया गया ।समाधि स्थल का लोकार्पण मुख्य न्यायधीश डॉ आई एम खुद्दसी उड़ीसा हाईकोर्ट के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ आई एम खुद्दसी ने छुटकू प्रसाद समुद्रे माता पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते कार्यक्रम के आयोजक छुटकू प्रसाद की सराहना की और उपस्थित लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को अनुसूचित जाति जन जाति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र कुंडे ने संबोधित करते हुए समाज के लोगों को अपने हक एवं अधिकार के लिए एक जुट होने की अपील की । कार्यक्रम के आयोजक छुटकू प्रसाद ने सभी का आभार व्यक्त किया और भंडारे का आयोजन किया। इस अवसर पर श्याम नारायण सिंह राष्ट्रीय प्रमुख कपूरी सेना,हरचरण सिंह से नि उप निरीक्षक,लल्लूराम भारती, सभाजीत विश्वकर्मा प्रधान प्रतिनिधि पारा,रामगोपाल समुद्रे,रंजीत कुमार कठेरिया,राजीव कुमार कठेरिया ,कप्तान,सरिता समुद्रे काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन घनश्याम बाल्मीकि ने किया।

पिकप डाला और बाइक की टक्कर में दो घायल..

अमन लेखनी समाचार

मल्लावां, हरदोई। मल्लावां - बांगरमऊ रोड पर गंगा एक्सप्रेस -वे के पास पिकप डाला और बाइक की टक्कर होने दो लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। रविवार की दोपहर को पिकप डाला चालक गोपाल 28 वर्ष पुत्र सुरेश गुप्ता निवासी लाला बाजार जो पिकप लेकर आ रहा था, तभी खरबूजा मंडी के पास राजेपुर निवासी अभिषेक 20 वर्ष पुत्र अशोक बाइक से अपने साथियों के साथ आ रहा था, इसी बीच दोनों की टक्कर हो गईं जिसमें गोपाल और अभिषेक घायल हो गए।

बाइक की टक्कर से बाइक सवार व राहगीर घायल.

मल्लावां (हरदोई) मुख्य चौराहे पर बाइक की टक्कर से राहगीर और बाइक सवार दोनों घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की रात्रि बाइक सवार सरवन 36 वर्ष निवासी अटवा खुर्द माधौगंज को राहगीर उमेश 40 वर्ष गंगारामपुर से टक्कर हो गईं। जिसमें दोनों लोगो घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्लावां भर्ती कराया गया।

मूलभूत समस्याओं से ध्यान हटाकर सरकार ने कुचली हैं दबे कुचले समाज के लोगों की आशायें

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। भाजपा जब से सत्तासीन हुई है, तब से उसने शिक्षा व संविधान खत्म करने के तमाम प्रयास किये। इस सरकार ने बेरोजगारी को बढ़ावा देकर दबे कुचले समाज के लोगों को आगे बढने से रोका है। मनुवादी सोच की यह सरकार किसान, छात्र, महिला, दलित तथा पिछड़ा विरोधी है। डबल इंजन की सरकार कहने के बावजूद भी प्रदेश में दलित, अल्पसंख्यक व पिछड़े वर्ग के लोगों का शोषण किया जा रहा है। अपराध को बढ़ावा देने से उत्तर प्रदेश हत्या में नंबर एक पर पहुंच गया है। उक्त उद्गार राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने संविधान सम्मान व जनहित हुंकार रथयात्रा लेकर कस्बे के त्रिवेणी मैदान में आकर जनसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। संविधान सम्मान के लिये हुंकार रथयात्रा में आए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कस्बे के त्रिवेणी मैदान में बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अल्पसंख्यकों, दलितों, पिछड़ों, किसानों, महिलाओं व छात्रों का उत्पीड़न हुआ है। भाजपा ने एक तरफ परिषदीय स्कूल बंद कर शिक्षा की नींव कमजोर की, वही विश्वविद्यालयों में फीस महंगी कर गरीबों को शिक्षा से वंचित करने का काम किया है। दबे कुचले समाज के लोग पढ़ने के बावजूद भी बेरोजगार है क्योंकि भाजपा ने सरकारी संस्थाओं को अंबानी अडानी के हाथों बेंचकर निजीकरण को बढ़ावा दिया है। जिससे भविष्य में स्थित और भी भयावह हो जाएगी। मनुवाद को बढ़ावा देकर लोगों को मंदिर मस्जिद में उलझाकर मूलभूत समस्याओं से ध्यान हटाने का काम सरकार ने किया है। अब जरूरत है कि सभी लोग एकजुट होकर सरकार की खिलाफत करें ताकि संविधान व शिक्षा को बढ़ावा देकर दबे कुचले समाज को विकास की ओर लाया जा सके। इस दौरान जनसभा में भारी भीड़ उमड़ी रही।

डायरिया रोकथाम को लेकर केमिस्टों का जागरूकता प्रशिक्षण

अमन लेखनी समाचार

फिरोजाबाद। स्वास्थ्य विभाग, पीएसआई इंडिया और केनव्यू के सहयोग से चल रहे 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत रविवार को एक स्थानीय होटल में दवा व्यवसायियों और केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्यों का अभिमुखीकरण किया गया। कार्यशाला में डायरिया की रोकथाम, बचाव, डफर के महत्व तथा शिशुओं को सही आहार व स्तनपान जारी रखने पर विस्तृत जानकारी दी गई। पीएसआई इंडिया के सीनियर मैनेजर अनिल द्विवेदी ने बताया कि यह कार्यक्रम यूपी के 13 और बिहार के 3 जिलों में संचालित है, जिसका उद्देश्य शून्य से पाँच वर्ष तक के बच्चों की डायरिया से होने वाली मृत्यु को रोकना है। केमिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष पंकज दत्त बंसल ने कार्यक्रम को सफल बनाने का आश्वासन देते हुए कहा कि डायरिया से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक है। कार्यक्रम में स्वच्छ हाथ, स्वच्छ पानी, साफ-सफाई और बच्चों के मल के सही निस्तारण पर जोर दिया गया। अंत में अध्यक्ष पंकज दत्त बंसल ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में एसोसिएशन के पदाधिकारी व करीब 44 दवा व्यापारी शामिल रहे।

दरोगा गिरफ्तार पुलिस ने गाड़ी वो लोहे की रॉड भी कब्जे में लिया

अमन लेखनी समाचार

मौदहा (हमीरपुर)। अर्धनग्न अज्ञात महिला का शव मिलने के मामले में एक सनसनीखेज खुलासा सामने आया है। जिस विवेचना अधिकारी पर मुकदमे की जांच की जिम्मेदारी थी, उसी ने वादिया की लोहे की रॉड से हत्या कर दी। घटना सामने आते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। मौदहा पुलिस ने आरोपी दरोगा को चारपहिया वाहन सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बीते गुरुवार को बसवारी रोड स्थित रमनाझकिशनपुर गांव के निकट गड्ढे में एक अर्धनग्न महिला का शव मिला था। बाद में शव की पहचान कबरई थाना क्षेत्र निवासी किरण के रूप में उसके भाई ने की थी। प्रारंभिक रूप से भाई ने आरोप लगाया था कि उसकी बहन की हत्या उसके ही बहनोई ने की है और शव को छिपाने में विवेचना कर रहे दरोगा की भूमिका संदिग्ध है। कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस और जमीनी सुरागों की मदद से पूरे घटनाक्रम का खुलासा कर दिया। पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, हत्या का आरोपी दरोगा अंकित यादव मूलरूप से रायबरेली के लालगंज क्षेत्र का रहने वाला है तथा वर्तमान में महोबा में तैनात था। पूर्व में वह कबरई थाने पर तैनात रह चुका था। उधर, मकरबई गांव निवासी विवाहित किरण की अपने ससुराल पक्ष से दहेज एवं देवर से दुष्कर्म के मामले की विवेचना अंकित यादव ही कर रहा था ।इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। बुधवार की रात आरोपी दरोगा बैजनाथ निवासी कबरई एक परिचित की स्विफ्ट कार से किरण को यह कहकर मौदहा ले आया कि यहां एक शादी समारोह में शामिल होना है। रात के दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसी दौरान दरोगा अंकित यादव आपा खो बैठा और उसने पीछे से लोहे की रॉड से वार कर किरण की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को सड़क किनारे खाई में फेंक दिया और मौके से भाग निकला। लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया। मौदहा क्षेत्र में लगातार हो रहीं गंभीर घटनाओं ने जहां स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ा दी है, वहीं यह भी सवाल उठने लगे हैं कि अपराधियों के लिए मौदहा कोतवाली क्षेत्र हत्या करने के लिए 'सबसे मुफीद जगह' क्यों बनता जा रहा है। इस पूरे मामले पर पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा ने बताया कि आरोपी दरोगा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है तथा उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दुर्गा-हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा, जागरण व भंडारे का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज, हरदोई। क्षेत्र के गाँव सरायऊद में भव्य धार्मिक आयोजन के तहत मंदिर में दुर्गा जी एवं हनुमान जी की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा, जागरण और भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शामिल मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। ग्राम प्रधान गोपाल ने ग्रामीणों के सहयोग से इस मंदिर का निर्माण कराया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सरायऊद के अलावा न्योली, शाहपुर वसुदेव सहित आसपास के कई गाँवों के लोगों ने सहभागिता की। कलाकारों ने देवी-देवताओं के भजन प्रस्तुत किए और मनमोहक झाँकियों से माहौल भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, पूर्व सांसद डॉ. अंजू बाला, पूर्व विधायक सतीश वर्मा, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के बड़े भाई राजेश पाठक, ब्रजेश कुमार टिल्लू, जिला पंचायत सदस्य रवि वर्मा, प्रधानाचार्य सतीश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बाल दिवस पर जिलाधिकारी ने स्मार्ट क्लास वाटर कूलर ओपन जिम का उद्घाटन करते

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर ।बाल दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय मेरापुर में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सभासद ज्योति निषाद ने बाल मेला, स्मार्ट क्लास, वाटर कूलर ओपन जिम का उदघाटन किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा जिलाधिकारीको पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रभाकर सिंह तोमर खण्ड शिक्षा अधिकारी कुरारा अजीत कुमार निगम खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय, कन्हैया निषाद उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जलीस खॉन ने किया जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रांगण में आँवला का पेड रोपित किया। बच्चों द्वारा बाल दिवस के अवसर पर हरत निर्मित शिक्षण सामग्री बतासा, नमकीन, पकौडी, लड्डू, भेलपुरी इत्यादि के स्टॉल लगाए जिन्हे देखकर जिलाधिकारी द्वारा बच्चों का उत्साह वर्धन किया गया। विद्यालय प्रांगण में लगे मिकी माउस, झूलों में बच्चों द्वारा झूला गया। लखनऊ से आये कलाकार ने कठपुतलियों द्वारा खेल नृत्य के माध्यम से कार्यक्रम में मनोरंजन बढाया। जिलाधिकारी ने कक्षा 01 की छात्रा दीपा, कक्षा 02 की छात्रा सौम्या कक्षा 03 की छात्रा सुनैना, कक्षा 04 के छात्र आयुष कुमार एवं कक्षा 05 के छात्र प्रांशु को सम्मानित किया एवं विशेष पुरस्कार पुरातन छात्रा अंशिका को पुरस्कृत किया। जिलाधिकारी ने अपने अभिभाषण मे बच्चों को स्मार्ट क्लास के माध्यम से स्मार्ट स्टडी की बात कही एवं स्वास्थ्य एवं खेल को बढ़ावा देने हेतु ओपेन जिम का सही उपयोग की बात कही जिससे बच्च्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ सवार्गीण विकास हो इसमें विद्यालय के 142 समस्त छात्र - छात्राओं की उपस्थिति रही। प्रधानाध्यापक अखिलेश शुक्ला नीलम साहू स०अ०ऊसा साहू स०अ०, मृदुल कुमार स०अ०, द्वारा बाल मेला कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष कार्य किया गया।

गड्ढों में तब्दील सड़कों पर चलना दुश्वार मरम्मत के नाम पर सिर्फ खानापूरी

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। क्षेत्र के इंगोहटा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछा होने के बावजूद पिछले कई वर्षों से मरम्मत न होने के कारण ये सड़कें अब पूरी तरह से गड्ढों में बदल चुकी हैं। आलम यह है कि इन सड़कों पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। जिससे क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों द्वारा लगातार मरम्मत की मांग किए जाने के बावजूद, संबंधित विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। कहीं-कहीं तो केवल दो-चार गड्ढे पाटकर मरम्मत के नाम पर सिर्फ रस्मदायगी कर दी गई है। ग्रामीण राकेश गुप्ता, धनीराम साहू, चेतराम, गौरीशंकर, श्याम नारायण, शिव भूषण, गजेंद्र, दिनेश आदि ने बताया कि भाजपा शासनकाल में सड़कों को चुस्त-दुरुस्त रखने के निर्देश होने के बावजूद भी ये सड़कें गड्ढों में तब्दील हैं। विशेष रूप से हाइवे से पालीवाल इंटर कॉलेज होते हुए इंगोहटा गांव के अंदर जाने वाली एक किलोमीटर लंबी सड़क पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। ग्रामीण ही नहीं बल्कि विद्यालयों के छात्रों को भी आवागमन में गंभीर दिक्कतें आ रही हैं। मगर विभाग इस ओर बिलकुल भी ध्यान नहीं दे रहा है। इसी प्रकार बस स्टॉप इंगोहटा से रेलवे स्टेशन इंगोहटा को जोड़ने वाली डेढ़ किलोमीटर सड़क भी पूरी तरह गड्ढों में समा चुकी है। लंबे समय से इसकी मरम्मत की मांग लंबित है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। पड़ोसी गांव बिदोखर के निवासी शिवनारायण, महेश गुप्ता, चंद्रशेखर, संतोष, घसीटा आदि ने बताया कि छानी मार्ग से बिदोखर गांव को जोड़ने वाली डेढ़ किलोमीटर की सड़क भी अत्यंत बुरी हालत में है। सड़क पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। इस सड़क पर पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं है। कई बार फरियाद करने के बावजूद विभागीय अधिकारियों ने कोई गौर नहीं किया। ग्रामीणों ने बताया कि बिदोखर से पलरा गांव को जोड़ने वाली सड़क की हालत भी जर्जर है और उसकी भी तत्काल मरम्मत होनी चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधि अभी सोए हुए हैं और उन्हें समस्याओं की याद तभी आएगी जब चुनाव सिर पर आ जाएगा। परेशान ग्रामीणों ने अब जिलाधिकारी से गुहार लगाई है। उन्होंने निष्क्रिय पड़े संबंधित विभाग को आदेशित करने और क्षेत्र की सभी जर्जर सड़कों की शीघ्र मरम्मत करवाए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद का जिला सम्मेलन

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद का जिला स्तरीय सम्मेलन नगर के विद्या देवी पालीवाल इंटर कॉलेज मौदहा में संपन्न हुआ जिसमें जिला अध्यक्ष नरेंद्र बाजपेई द्वारा जयप्रकाश त्रिपाठी प्रवक्ता को जिला अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ तथा सुनील त्रिपाठी डंडा गुरु को जिले का संगठन मंत्री घोषित किया गया। इस सम्मेलन में अधिकांश वक्ताओं ने ब्रह्म समाज के मध्य फैली हुई अनेक प्रकार की कुरीतियों दहेज प्रथा, कन्या विवाह, निर्धन छात्रों की शिक्षा तथा वर्ण विभाजन आदि ज्वलंत समस्याओं को उठाकर उनके निराकरण के उपाय भी सुझाए। वक्ताओं का कथन था कि ब्राह्मण समुदाय में अब कन्यकुब्ज, सनाढय, जुजौतिया,करवरिया आदि का भेद खत्म कर एकता स्थापित करनी है। साथ ही सभी ब्राह्मण समान है कोई भी ब्राह्मण छोटा बड़ा नहीं है जिस दिन हम यह एकता स्थापित करने में समर्थ हो जाएंगे उसी दिन से राजनीतिक सत्तासीन नेता हमारे सम्मान के समक्ष नतमस्तक हो जाएंगे और हमें प्राचीन गौरव पुनः प्राप्त होगा। प्रमुख रूप से नरेंद्र बाजपेई जिला अध्यक्ष, आलोक अवस्थी जिला महामंत्री, राजेंद्र द्विवेदी जिला संरक्षक, अमित तिवारी दादा जिला संयोजक, बालजी पांडे जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, बृजेश बादल नगर अध्यक्ष, बच्चू द्विवेदी, रमाकांत शुक्ला आदि रहे। इस सम्मेलन में शिवकुमार पांडे भूतपूर्व ब्लाक प्रमुख, रामचंद्र शुक्ल, विनय तिवारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बुंदेलखंड नवनिर्माणसेना , राकेश पालीवाल प्रबंधक, ब्रजकिशोर त्रिवेदी अध्यक्ष बार संघ अरविंद शर्मा, आकाश त्रिपाठी, रेवती पाठक व अजय तिवारी समेत मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य संतोष त्रिपाठी व संचालन पूर्व प्रवक्ता जगदीश प्रसाद व्यास ने किया।

वार्षिक उत्सव में बच्चों का ऊर्जा से भरपूर प्रदर्शन देख दर्शक हुए सम्मोहित

अमन लेखनी समाचार

मिजार्पुर, डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल लोहिया तालाब मिजार्पुर ने अपना वार्षिक समारोह 'ऊर्जा' बड़े धूम-धाम से मनाया । विद्यालय पिछले कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में मिजार्पुर जनपद ही नहीं बल्कि पूर्वांचल में भी अपने अलग पहचान बनाता आ रहा है। यहां पुस्तकीय ज्ञान के अतिरिक्त बच्चों को रचनात्मक, मौलिकता, तकनीकी तथा समाज और संस्कृति के प्रति समर्पण की प्रेरणा दी जाती है। स्कूल के डायरेक्टर अमरदीप सिंह व अपराजिता सिंह की पारदर्शी और दूर दृष्टि का परिणाम है कि यहां के बच्चे विभिन्न क्षेत्रों में ऊंचे पदों को सुशोभित कर रहे हैं ।शिक्षा की गुणवत्ता का सर्वे करने वाली राष्ट्रीय संस्था एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा डैफोडिल्स को लगातार तीसरी बार नंबर एक होने का सम्मान दिया गया।

ककरघटा में मिनी खेल स्टेडियम का हुआ शुभारम्भ

राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने बच्चों में भरा उत्साह

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने शनिवार को ककरघटा ग्राम पंचायत में निर्मित मिनी खेल स्टेडियम में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर राज्यमंत्री का भव्य स्वागत स्थानीय जनप्रतिनिधियों व खिलाड़ियों द्वारा किया गया ।शुभारम्भ के उपरांत राज्यमंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं, बल्कि यह बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। उन्होंने प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कृत किया और उन्हें खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। इस दौरान संबोधन में रजनी तिवारी ने कहा कि बिहार में एनडीए की बम्पर जीत से जनता ने यह संदेश दे दिया है कि अराजकता, जंगलराज और परिवारवाद की राजनीति का कोई स्थान नहीं है। विकास और सुशासन ही जनता की पहली प्राथमिकता है। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी शाहाबाद अंकित तिवारी, केन ग्रोवर्स सोसायटी हरदोई के चेयरमैन रंजीत सिंह, शाहाबाद ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्रा, टोडरपुर ब्लॉक प्रमुख श्यामू त्रिवेदी, पिहानी ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई, जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत, ककरघटा प्रधान शरद सिंह, प्रधान चंद्र प्रकाश उर्फ पुतन्ने, मनोज मिश्रा, सुधीर सिंह, गोविन्द पाठक सहित कई भाजपा नेता, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। मिनी खेल स्टेडियम में विभिन्न आयु वर्ग की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान खेल मैदान में उत्साह, जोश और तालियों की गूंज बनी रही।

मानव जीवन को मुक्ति का मार्ग दिखाती है श्रीमद् भागवत गीता : जगत गुरु शंकराचार्य

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। नारायण सेवा समिति के तत्वाधान में बड़ी देवी मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए बताए कि भगवान की प्रत्यक्ष वाङ्मय मूर्ति है श्रीमद्भागवत पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य मनुष्य के जीवन को पूर्ण आनंद प्राप्ति तथा लोक कल्याण हेतु श्रीमद्भागवत का प्राकट्य हुआ है ।भागवत कथा, परमात्मा का अक्षर स्वरूप है. यह परमहंसों की संहिता है, जो हृदय को जागृत कर मुक्ति का मार्ग दिखाती है तथा भगवान के प्रति अनुराग उत्पन्न करती है ।पूज्य महाराज श्री ने कहा भागवत कथा में भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, ज्ञानयोग, कर्मयोग, समाजधर्म, स्त्रीधर्म, राजनीति का ज्ञान भरा हुआ है भागवत कथा सुनने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति होती है. भागवत कथा सुनने से पितरों को शांति और मुक्ति मिलती है. भागवत कथा का मूल मंत्र सदाचार है ।।पूज्य महाराज ने परोपकार करने हेतु बताए कि परोपकाराय दुहन्ति गावः परोपकारार्थ मिदं शरीरम् ॥परोपकार के लिए वृक्ष फल देते हैं, नदीयाँ परोपकार के लिए ही बहती हैं और गाय परोपकार के लिए दूध देती हैं अर्थात यह शरीर भी परोपकार के लिए ही है अतएव सभी को अवश्य ही परोपकार करनी चाहिए ।। पूज्य श्री के कथा के पूर्व काशी धर्मपीठ परंपरानुसार पादुका पूजन वैदिक विधि विधान से सम्पन्न हुआ।

किशोरी ने दुपट्टे से फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। हाई स्कूल की छात्रा ने अपने ही घर में शनिवार की दोपहर बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया वहीं कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई शुरू कर दिया ।कोतवाली क्षेत्र के छिरका गांव निवासी अधीक्षा सोलह वर्षीय पुत्री शिवकुमार ने शनिवार की दोपहर बाद अपने ही घर में दुपट्टे से फांसी का फंदा बनाकर छत के कुंडे में बांधकर झूल गई यह मंजर देख परिजनों के होश उड़ गए आनंन-फानन कस्बे के सरकारी अस्पताल लेकर गए हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया सदर अस्पताल में इलाज के दौरान स्कूली छात्र की मौत हो गई मौत की खबर सुनते ही मां दहाड़ मारने लगी मोहल्ले में मातम का माहौल हो गया कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक के पिता शिवकुमार ने बताया की अधीक्षा नगर के एक विद्यालय में हाई स्कूल की छात्रा थी शनिवार की दोपहर बाद दुपट्टे से फंदा लगाकर झूल गई मृतक चार बहनों में पहले नंबर की थी अपने पीछे तीन बहने और माता-पिता को रोता बिलखता छोड़ गई वहीं कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह ने बताया की शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया रिपोर्ट आने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से विवश दुनिया भर के पुरुष

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

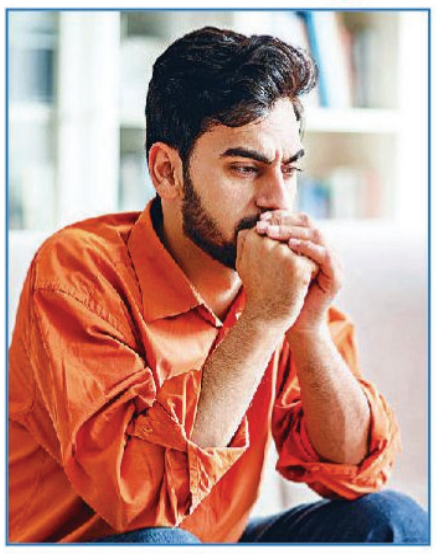

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का अत्याधुनिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई हैं। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी ओरिएंटेड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

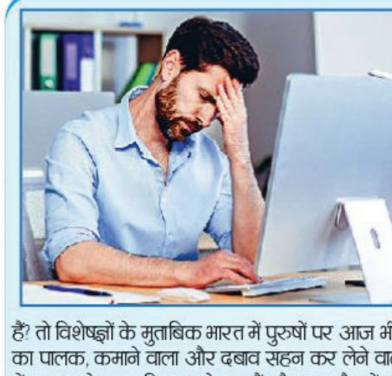

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रेंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फा: वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरी: जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरी: चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटें: बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

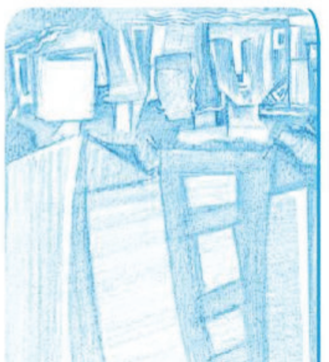

गजल
अब्दुल कलाम

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

रौब जमाती मूंछें!

व्यंग्य
डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोर्चे को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए, मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

भाई से बड़ा

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

चुप्पियों का शोर

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

पुस्तक: शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह)
रचनाकार: मनोज मोहन,
मूल्य: 200 रु, प्रकाशक: सेतु प्रकाशन, नोएडा

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *